दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

रील नहीं रियल .....

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर...

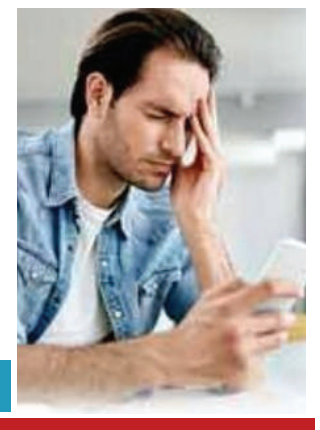

वर्ष : 12 | अंक : 252 | लखनऊ, 07 सितम्बर, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

बोकारो के बाजार में आग से 8 दुकानें खाक

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले में रविवार को एक बाजार में लगी आग में आठ दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब 6:30 बजे सेक्टर-छह बाजार में लगी आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि दमकल की 3 गाड़ियों की मदद से करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया।

गोदावरी में कूदे परिवार के 4 लोग, 3 की मौत

गोदावरी। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में एक ही परिवार के4 लोगों ने एक पुल से गोदावरी नदी में कथित तौर पर छलांग लगा दी। इस घटना में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला को बचा लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को तलाश अभियान के दौरान तीन शव मिले, जबकि स्थानीय मछुआरों ने एक महिला को बचाया।

संभल में ऑटो-डंपर की टक्कर, 5 की मौत

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रविवार सुबह मुरादाबाद-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसा हो गया। बहजोई थाना क्षेत्र के बमनेटा गांव के पास एक सवारियों से भरा ऑटो सामने से आ रहे डंपर से टकरा गया। हादसे में 2 बच्चों समेत 5 की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया है।

चेन्नई में टीवीके नेता की बीच सड़क पर हत्या

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में एक शख्स की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक ने हाल ही में सत्ताधारी टीवीके ज्वाइन की थी। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि 6लोगों के गैंग ने कन्नन पर हमला कर दिया। पूरी घटना चेन्नई के वन्ननदुरई इलाके की है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव भेजा है।

गिद्धों का संरक्षण बेहद जरूरी: मंत्री भूपेंद्र

पंचकूला। अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस रविवार को हरियाणा के पंचकूला में मनाया गया। इस मौके पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने 'संकट से सुधार की ओर- भारत के गिद्धों का संरक्षण' थीम पर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस दौरान भूपेंद्र ने कहा कि जानवरों में गिद्धों का संरक्षण बेहद जरूरी है।

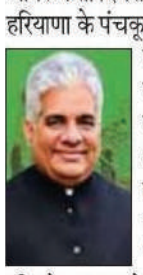

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने गोवा में प्रेसवार्ता में कहा

सरकार भारत को 2029 तक मादक पदार्थ मुक्त बनाने के लिए 'प्रतिबद्ध'

युवा शक्ति 2047 में 'विकसित भारत'का नेतृत्व करे

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

हमारी सरकार इस लड़ाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से प्राथमिकता बना रही

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि नशा-मुक्त युवा शक्ति 2047 में 'विकसित भारत' का नेतृत्व करे। केंद्र सरकार ने 2029 तक भारत को नशा-मुक्त बनाने के लिए एक प्रारूप तैयार किया है। शाह ने प्रेसवार्ता में कहा कि विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए मोदी सरकार देश को नशा-मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जैसे उसने नक्सलवाद और आतंकवाद की समस्या को खत्म करने के लिए काम किया है।

2014 से पहले मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई अधिकतर छोटी इकाइयों द्वारा और अलग-थलग रहकर लड़ी जाती थीं। एजेंसियां अक्सर छोटे-मोटे आरोपियों को पकड़कर ही संतुष्ट हो जाती थीं। हमारी सरकार इस लड़ाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से प्राथमिकता बना रही है।मोदी सरकार के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर तरक्की और विकास की राह पर है। शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद से अलगाववाद की भावना कम हुई है।

'भारत पोल' पर कही बड़ी बात

भगोड़ों की करीब 17,874 करोड़ की संपत्तियां जब्त की

शाह ने कहा कि 14 से अधिक केंद्रीय एजेंसियां और सभी राज्यों की पुलिस 'भारत-पोल' से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इसके जरिए हर राज्य से भगोड़ों के प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि 2019 से 2026 के बीच भगोड़ों की करीब 17,874 करोड़ की संपत्तियां जब्त की गईं और नए आपराधिक कानूनों ने इन भगोड़ों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता तैयार किया है।शाह ने कहा कि हमने साइबर अपराध से निपटने के लिए एक व्यवस्थित व्यवस्था भी बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी खुद भी इसकी निगरानी कर रहे हैं। आज '1930' नंबर साइबर अपराध से सुरक्षा के लिए एक पक्के समाधान के रूप में सामने आया है। गृह मंत्रालय ने राज्यों के साथ मिलकर 3 नए कानूनों को थाने के स्तर तक लागू करवे में सफलता हासिल की है।

देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत की जा रही

शाह ने गोवा के डोना पाउला में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार के कार्यों को गिनाया। शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद संभाला था, तब देश के सामने तीन बड़ी चुनौतियां थीं। इनमें जम्मू-कश्मीर की स्थिति और वहां बढ़ता आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में विभिन्न सशस्त्र समूहों की मौजूदगी शामिल थी। उस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार बम धमाके हो रहे थे और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़े आंदोलन हो रहे थे।

2019 से 274 भगोड़ों को प्रत्यर्पित किया

शाह ने कहा कि 2019 से हमने विभिन्न तरह के अपराध करने के बाद देश से भागे भगोड़ों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। 2019 से जुलाई 2026 के बीच हमने 36 देशों से 274 भगोड़ों को सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किया। इनमें आर्थिक अपराध, आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी या गैंगवार में शामिल लोग थे और उन्हें भारतीय अदालतों के सामने लाया गया। पिछले तीन वर्षों में 401 रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई की गई है। इस साल जुलाई 2026 तक अकेले 182 रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई।

भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया

शाह ने कहा कि हमने 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। नशीले पदार्थों का कारोबार एक ऐसा अपराध है जो हमारी आने वाली पीढ़ियों को बर्बाद करता है।नशीले पदार्थों से मिलने वाले 'गंदे पैसे' का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए भी किया जाता है। शाह ने कहा कि 2019 से हमने इस समस्या के खिलाफ कार्रवाई की है।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास की राह पर

शाह ने कहा, अगर हम आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2019 से अब तक के सफर को देखें तो जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद अलगाववाद की भावना काफी कम हुई है। आतंकवाद के आंकड़े धीरे-धीरे शून्य की ओर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं और जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच मानसिक दूरी कम करने के लिए भी सफल प्रयास किए गए हैं।

नक्सलवाद को खत्म किया, अब नशीले पदार्थों की समस्या से निपटेंगे

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने तिरुपति से पशुपति तक 'लाल' (माओवादी) गलियारा बनाने का सपना देखा था, उन्होंने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। पूर्वोत्तर में भी शांति है। 10,000 से ज्यादा युवाओं ने हथियार डाल दिए हैं। शाह ने कहा कि 5 दशकों तक चलने वाला नक्सलवाद अब अतीत की बात हो गया है। साह ने कहा कि हमने नक्सलवाद को खत्म कर दिया है और नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेंगे।

न्यायमूर्ति लोकुर ने कहा

वन अधिकार कानून और 'पेसा' की कमजोरी से आदिवासी हक प्रभावित

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश मदन बी लोकुर ने वन अधिकार कानून (एफआरए) और पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) कानून (पेसा) के कमजोर क्रियान्वयन पर रविवार को चिंता जताई और कहा कि जमीन, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों पर आदिवासियों के अधिकार कमजोर किए जा रहे हैं तथा ग्राम सभाओं के अधिकारों को दरकिनार किया जा रहा है। न्यायमूर्ति लोकुर ने यहां आदिवासी अधिकार राष्ट्रीय मंच के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जंगलों में रहने वाले आदिवासी समुदायों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों के अधिकारों को मान्यता देने और उनकी रक्षा के लिए 2006 में बनाया गया एफआरए लगभग दो दशक बाद भी सही तरीके से लागू नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के सामने सबसे बड़ी समस्या कानून का क्रियान्वयन है।

अब जरूरी है कि अधिकारों को लागू करना ही चाहिए

उन्होंने कहा कि जब तक सरकार एफआरए के तहत दिए गए अधिकारों को मान्यता देकर लागू नहीं करती, तब तक आदिवासी लोगों के खिलाफ हजारों मामले दर्ज होते रहेंगे। न्यायमूर्ति लोकुर ने कहा कि एफआरए के तहत बड़ी संख्या में दावे किए गए हैं, लेकिन लगभग 20 साल बाद भी कई मामलों में जमीन, लघु वन उपज और आदिवासियों के अन्य अधिकारों पर फैसले लंबित हैं। उन्होंने कहा कि आज भी ये मामले जारी हैं। जमीन के बारे में कोई फैसला नहीं हुआ है, लघु वन उपज के बारे में कोई फैसला नहीं हुआ है और आदिवासियों के अधिकारों को लेकर भी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। न्यायमूर्ति लोकुर ने 1996 में बने पेसा कानून के सही तरीके से लागू नहीं होने का भी मुद्दा उठाया। यह कानून अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था का विस्तार करता है और स्थानीय समुदायों तथा उनके संसाधनों से जुड़े मामलों में ग्राम सभाओं को महत्वपूर्ण भूमिका देता है।

कानून बने 30 साल हो गए

उन्होंने कहा कि इस कानून को बने 30 साल हो चुके हैं, लेकिन इसे अभी तक सही तरीके से लागू नहीं किया गया है। ओडिशा खनन निगम मामले में उच्चतम न्यायालय के 2013 के फैसले का जिक्र करते हुए न्यायमूर्ति लोकुर ने कहा कि अदालत ने आदिवासी समुदायों के अधिकारों को प्रभावित करने वाले मामलों में निर्णय लेने के लिए ग्राम सभाओं की भूमिका को स्पष्ट रूप से मान्यता दी थी। सरकार कहती है कि 'आपने हमें बता दिया, अब हम फैसला करेंगे'।

गुवाहाटी में स्वर्ण जयंती में उपराष्ट्रपति

उच्च शिक्षा का उद्देश्य लोकतंत्र को सार्थक बनाना होना चाहिए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य केवल छात्रों को करियर के लिए तैयार करना नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें समाज और लोकतंत्र में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाना भी होना चाहिए। राधाकृष्णन ने गुवाहाटी में गीतानगर कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने पूर्व 'कन्या महाविद्यालय' के नाम से जाने जाने वाले कॉलेज की नई शैक्षणिक इमारत का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन भी किया। असम के अपने पहले दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में शिक्षण संस्थान सबसे अहम हैं। वे आवश्यक कुशल श्रमशक्ति तैयार कर सकते हैं।

'नाराज फूफा' टिप्पणी पर खरगे बोले

नाकामियां छिपाने विपक्ष को नया विशेषण दे रहे प्रधानमंत्री

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'नाराज फूफा' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना अपनी 'नाकामियों' को छिपाने के लिए हर साल विपक्ष को नया विशेषण देने की उनकी कार्यशैली का हिस्सा है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के मंच का दुरुपयोग करने और शनिवार को आयोजित कॉलेज के शताब्दी समारोह को 'एक और राजनीतिक प्रचार' में बदलने का आरोप लगाया। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा प्रधानमंत्र श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में गए। यह युवाओं, शिक्षा पर संवाद का अवसर था।

लेकिन युवाओं के सवालों का सामना करने के बजाय भाषण फिर एक राजनीतिक प्रचार में बदल गया।

सहारनपुर स्थित कलेक्ट्रेट में विवादित मस्जिद का ढांचा ढहा

यहां मलबे के नीचे मिला 100 साल पुराना कुआं, एएसआई करेगी जांच

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में विवादित मस्जिद का ढांचा ढहाए जाने के बाद मलबे की सफाई के दौरान रविवार को उसके नीचे एक कुआं मिला है। अधिकारियों ने कहा कि यह कुआं लगभग 20 फीट गहरा और 1.5 मीटर चौड़ा है। बताया जा रहा मस्जिद के नीचे मिला यह कुआं उस समय सामने आया जब शनिवार को बुलडोजर कार्रवाई के बाद कलेक्ट्रेट परिसर से मलबा हटाया जा रहा था।

- एसडीएम ने भी लिया जायजा

कटर से स्लैब काटने पर खुला कुएं का राज

अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह सफाई के दौरान मलबे के नीचे एक कंक्रीट की स्लैब दिखाई दी। जब कटर की मदद से इस स्लैब को काटा गया, तो उसके ठीक नीचे यह गहरा कुआं निकला।

ऐतिहासिक महत्व का लगाया जाएगा पता

कुआं मिलने की खबर फैलते ही सहारनपुर के उपजिलाधिकारी सुबोध कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने कुएं की प्राचीनता और इसके ऐतिहासिक महत्व का पता लगाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को तुरंत इसकी सूचना दी।

मुंबई का जीसीबी सेवा मंडल कर रहा बड़ा आयोजन

गजब...गणेश उत्सव के लिए 703 करोड़ रुपए का बीमा कराया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

474 करोड़ था पिछले साल, 66 किलो से अधिक सोने से सजाया, 335 किग्रा चांदी लगी

मुंबई के जीसीबी सेवा मंडल ने आगामी गणपति उत्सव के लिए 703.27 करोड़ रुपए का बीमा कराया है, जबकि पिछले साल यह रकम 474 करोड़ रुपए थी। आयोजकों ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 5 दिन तक चलने वाले इस उत्सव के दौरान भगवान गणेश की प्रतिमा को 66 किलोग्राम से अधिक सोने और 335 किग्रा चांदी के गहनों से सजाया जाएगा। 10 दिन तक चलने वाला गणपति उत्सव 14 सितंबर से शुरू होगा।

10 दिनी उत्सव 14 सितंबर से शुरू होगा

यहां का सबसे समृद्ध गणेश मंडल

मुंबई का सबसे समृद्ध गणेश मंडल माने जाने वाला जीसीबी सेवा मंडल, किंग्स सर्कल में इस उत्सव का आयोजन करता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। जीसीबी सेवा मंडल ने कहा कि वह 14 से 18 सितंबर तक 5दिन के लिए अपना 72वां गणेशोत्सव आयोजित करेगा। बारह सितंबर को रात 8 बजे विराट दर्शन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस तरह बढ़ता गया इंश्योरेंस

मुंबई के सबसे अमीर गणपति मंडल के रूप में मशहूर जीएसबी सेवा मंडल ने इस साल अपने इंश्योरेंस कवर में भारी बढ़ोतरी की है। इससे पहले मंडल ने साल 2025 में 474 करोड़ रुपए और साल 2024 में 400 करोड़ रुपए का बीमा कराया था।यह बीमा सुरक्षा मंडल के कीमती सोने-चांदी के आभूषणों, श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों, पुजारियों, सुरक्षाकर्मियों, रसोइयों, पंडाल और आसपास के परिसर को किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना से कवर करता है।

कोटा में जगदीश का कारनामा

भगवान हनुमान बने मतदाता वोटर लिस्ट में लगाई फोटो

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

नगर निगम चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे ही चुनाव को लेकर रोमांच भी लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा ही एक मामला शहर के वार्ड नंबर 29 से सामने आया है, जहां की वोटर लिस्ट में एक नाम के आगे हनुमान जी का फोटो लगा है।

वोटर लिस्ट के तहत मतदाता का नाम जगदीश पुत्र रामचंद्र है। उसका घर भी प्रेम नगर इलाके में बताया गया है। लेकिन यहां के बीएलओ 10 दिन बाद भी जगदीश को तलाश नहीं कर पाए हैं। बीएलओ का कहना है कि जगदीश का नाम उन्होंने नहीं जोड़ा है। यह गलती से हुआ है या जान- बूझकर किसी ने किया है, इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को कर दी गई है। वहीं, सवाल यह भी उठता है कि बिना बीएलओ की अनुमति के वोटर लिस्ट में न तो किसी का नाम जुड़ता है और न ही हटता है तो इतनी बड़ी गलती आखिर कहां से हो गई?

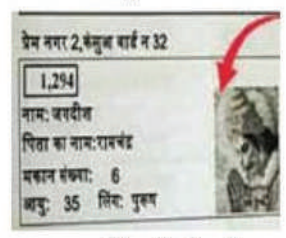

बस की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, बेटी ने कराई रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों तेज रफ्तार बस की टक्कर से हुई बुजुर्ग की मौत के मामले में मृतक की बेटी ने बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बस चालक की तलाश शुरू कर दी है।सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा स्थित चंद्रशेखर आजाद नगर (एसआईएल) कॉलोनी दरोगाखेड़ा निवासी बबिता श्रीवास्तव के मुताबिक उनके पिता राम मोहन लाल (85) बीती 28 अगस्त की शाम करीब 7:45 बजे टहलने के लिए घर से निकले थे। करीब आठ बजे वह कानपुर रोड पर दरोगाखेड़ा के पास सड़क पार कर घर लौट रहे थे। बबिता का कहना है कि इसी दौरान कानपुर से लखनऊ की ओर आ रही बस (यूपी 32 पीएन 6095) के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राम मोहन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलावस्था में पड़ोसी दीपक सिंह व स्थानीय लोगों ने राम मोहन लाल को सरोजनीनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल बबिता की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर बस नंबर के आधार पर चालक का पता लगा रही है।

बेखौफ चोरों ने ट्रेडर्स दुकान के पास खड़ी ट्रैक्टर की ट्राली किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बीती रात एक ट्रेडर्स दुकान के पास खड़ी ट्रैक्टर की ट्राली चोरी हो गई। रविवार सुबह जानकारी होने पर दुकानदार ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के सहारे चोरों का सुराग लगा रही है। बंथरा के रहीम नगर पड़ियाना निवासी व सरोजनीनगर बार एसोसिएशन के महामंत्री एडवोकेट गोविंद प्रताप शुक्ला के बेटे जितेंद्र प्रताप शुक्ला अपने गांव से कुछ दूर स्थित पिपहरी में जेपी ट्रेडर्स के नाम से सरिया सीमेंट, गिट्टी मौरंग आदि की दुकान संचालित करते हैं। जितेंद्र का कहना है कि शनिवार रात वह रोज की तरह अपनी दुकान बंद कर सो गए। जबकि उनकी ट्राली दुकान के पास ही खड़ी थी।

19वें दिन भी नहीं टूटा किसानों का सब्र, समाधान न हुआ तो 9 सितंबर को पीडब्ल्यूडी का होगा घेराव

एसडीएम परीक्षा ड्यूटी के चलते नहीं पहुंच सके, सोमवार को होगी वार्ता; सड़क निर्माण समेत लंबित मांगों पर अड़े किसान

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के नेतृत्व में चल रहा किसानों का धरना रविवार को 19वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनरत किसानों ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), वन विभाग और राजस्व विभाग पर उनकी समस्याओं की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया किसानों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन के साथ होने वाली वार्ता में सड़क निर्माण समेत अन्य मांगों पर ठोस निर्णय नहीं हुआ तो 9 सितंबर को लोक निर्माण विभाग का घेराव किया जाएगा धरने पर बैठे किसानों का कहना है कि लंबे समय से सड़क निर्माण सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है, लेकिन संबंधित विभाग समाधान निकालने के बजाय टालमटोल कर रहे हैं। इससे किसानों में आक्रोश लगातार बढ़ रहा वही रविवार को उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज को धरना स्थल पहुंचकर किसानों से वार्ता करनी थी लेकिन परीक्षा ड्यूटी में व्यस्त होने के कारण वह नहीं पहुंच सके संगठन पदाधिकारियों के अनुसार अब सोमवार को एसडीएम किसानों से बातचीत करेंगे इस दौरान संगठन का प्रतिनिधिमंडल अपनी सभी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग करेगा। मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने कहा कि किसान पिछले 19 दिनों से शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे लेकिन विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के चलते आंदोलन को और तेज करने की नौबत आ रही उन्होंने कहा कि यदि विभागाध्यक्ष स्तर पर भी समाधान नहीं निकला तो जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी। संगठन ने स्पष्ट किया कि जब तक सड़क निर्माण सहित किसानों की सभी प्रमुख मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती तब तक कुबहरा में धरना जारी रहेगा वार्ता विफल रहने पर 9 सितंबर को पीडब्ल्यूडी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। धरने में प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह, तहसील अध्यक्ष रामकुमार, केशवराम लोधी, प्रधान पति रामकुमार, ब्रह्मादीन, सुंदर लाल, रामदास समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

गरीब मजदूर का आशियाना ढहा, मलबे में दबी गृहस्थी

परिवार बाहर बैठा होने से टला बड़ा हादसा, खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर; आवास और राहत की मांग

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र के हरिकुंवार खेड़ा गांव में शनिवार को एक गरीब मजदूर का कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया हादसे के वक्त परिवार के सभी सदस्य घर के बाहर बैठे थे जिससे उनकी जान बच गई हालांकि मकान गिरने से परिवार का पूरा आशियाना उजड़ गया और घर में रखा अनाज, बर्तन, कपड़े, चारपाई समेत घरेलू उपयोग का अधिकांश सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। गांव निवासी हरिकेश मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते उन्होंने बताया कि उनका कच्चा मकान

लंबे समय से जर्जर था कई दिनों से दीवारों और छत में दरारें पड़ रही थीं शनिवार को अचानक पूरा मकान भरभराकर गिर पड़ा यदि उस समय परिवार के लोग घर के अंदर होते तो बड़ा हादसा हो सकता था मकान ढहने के बाद परिवार के सामने सिर छिपाने की भी समस्या खड़ी हो गई खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर परिवार के पास न तो रहने का सुरक्षित ठिकाना बचा और न ही खाने-पीने का पर्याप्त सामान। पीड़ित हरिकेश ने बताया कि वह कई बार ग्राम प्रधान और ब्लॉक अधिकारियों से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान दिलाने की गुहार लगा चुके लेकिन आज तक कोई मदद नहीं मिली आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि वह स्वयं पक्का मकान बनवाने में असमर्थ। ग्रामीणों ने बताया कि हरिकेश बेहद गरीब परिवार से हैं और रोज मजदूरी करके परिवार का गुजारा करते ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तत्काल राहत सामग्री, आर्थिक सहायता और सरकारी आवास उपलब्ध कराया जाए ताकि उन्हें जल्द राहत मिल सके। वही ग्रामीणों का कहना कि समय रहते यदि पात्र जरूरतमंदों को सरकारी आवास योजनाओं का लाभ मिले तो ऐसे परिवारों को इस तरह बेघर होने की नौबत नहीं आएगी।

कार सवार पांच अज्ञात लोगों ने युवक से की मारपीट, आरोप रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में स्विफ्ट कार सवार पांच अज्ञात लोगों द्वारा युवक को रोककर मारपीट करने, मोबाइल व बाइक की चाबी छीनने और कार से कुचलने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। इस मामले में कानपुर के चकेरी स्थित रामपुरम, श्याम नगर निवासी सुधांशु श्रीवास्तव ने स्विफ्ट कार सवार पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुधांशु श्रीवास्तव के मुताबिक, उन्होंने बाइक (यूपी 78 एचए 7605) टाटा कैपिटल से फाइनेंस कराई थी, जिसका भुगतान 14 अगस्त 2026 को आपसी सहमति से कंपनी को कर दिया था। सुधांशु का कहना है कि पांच सितंबर शनिवार को वह इसी बाइक से लखनऊ आ रहे थे। आरोप है कि तभी सरोजनीनगर में नादरगंज ओवरब्रिज के पास स्वीफ्ट कार सवार पांच अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया और बाइक के कागजात मांगे। कागजात दिखाने के बाद आरोपियों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की और पत्नी से फोन पर बातचीत के दौरान आरोपियों ने उसे भी गालियां दीं। इसके बाद बाइक की चाबी भी ले ली। सुधांशु का आरोप है कि पांचों लोग उन्हें कानपुर-लखनऊ हाईवे रिंग रोड स्थित अपने कार्यालय ले गए, जहां उनके साथ दोबारा मारपीट की। सुधांशु का कहना है कि आरोपियों ने स्वीफ्ट कार चढ़ाकर उन्हें जान से मारने का प्रयास भी किया। तब पीड़ित ने हाईवे पर मौजूद पीसीआर पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद वह बाइक और मोबाइल लेकर सरोजनीनगर थाने पहुंचा और टाटा कैपिटल सहित पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जमीन फर्जीवाड़े का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर भूमि का फर्जी बैनामा कराने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में आर्थिक लाभ के लिए फर्जी बैनामा कराने की बात स्वीकार की मामले में इससे पहले दो आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी वही पुलिस के अनुसार करोरा निवासी अरुण कुमार शुक्ला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था आरोप था कि विपक्षीगण ने उनकी भूमि से संबंधित कूटरचित दस्तावेज तैयार कर एक फर्जी व्यक्ति के माध्यम से धोखाधड़ी करते हुए बैनामा करा लिया शिकायत के आधार पर मोहनलालगंज कोतवाली में बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई विवेचना के दौरान राम बहादुर पुत्र गौरीशंकर निवासी देवती थाना नगराम का नाम प्रकाश में आया एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से वादी की भूमि का फर्जी बैनामा कराया गया था इसके बाद पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया पुलिस ने बताया कि इसी मुकदमे में पूर्व में सुधीर और सतेन्द्र कुमार नामक दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

आपका विधायक, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 183वां जनसुनवाई शिविर आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से संचालित आपका विधायक, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत रविवार को नानमऊ गांव में 183वां जनसुनवाई शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने वृद्धावस्था व विधवा पेंशन, सड़क एवं नाली, साइकिल, लैपटॉप, स्मार्टफोन, विद्यालय में शिक्षकों की कमी और आयुष्मान कार्ड से जुड़ी समस्याएं रखीं। इस दौरान कुल 11 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें हनुमान सिंह का आयुष्मान कार्ड मौके पर ही बनवाकर उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ दिलाया गया। जबकि अन्य समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं शिविर के दौरान श्री साईं ऑप्टिकल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर भी लगाया गया। इसमें 100 से अधिक ग्रामीणों की आंखों की जांच की गई और जांच के आधार पर विधायक की ओर से 80 जरूरतमंद बुजुर्गों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कार्यक्रम में चार मेधावी विद्यार्थियों पलक, कृष्णा सविता, प्रियंका सिंह और अविरल प्रताप सिंह साइकिल देकर सम्मानित किया गया। साथ ही ग्रामीण युवाओं और बालिकाओं को खेलों से जोड़ने के लिए नानमऊ में 192वें बॉयज यूथ क्लब और 130वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन कर बॉयज क्लब को क्रिकेट व वॉलीबॉल किट तथा गर्ल्स क्लब को कैरम, बैडमिंटन और वॉलीबॉल किट प्रदान की गईं। विधायक टीम ने बताया कि यूथ क्लबों के माध्यम से बच्चों और युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित किया जा रहा है। टीम ने कहा कि 183 सप्ताह की निरंतरता के साथ आपका विधायक, आपके द्वार जनसंवाद, जनविश्वास और जमीनी समाधान का सरोजनीनगर मॉडल बन चुका है।

पेड़ों की कटाई के दौरान पलटा हाइड्रा, मजदूर की मौत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम धनवारा स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में रविवार को पेड़ों की कटाई के दौरान हाइड्रा वाहन पलटने से एक मजदूर की मौत हो गई पुलिस के अनुसार प्राथमिक विद्यालय परिसर में यूकेलिप्टस के पेड़ों की कटाई का कार्य उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज की अनुमति के बाद कराया जा रहा था। कटे हुए पेड़ों की लकड़ी उठाने के लिए हाइड्रा वाहन संख्या वढ32 हठ 4434 लगाया गया था कार्य के दौरान लकड़ी उठाते समय हाइड्रा अचानक असंतुलित होकर पलट गया। इसकी चपेट में आने से ग्राम मऊ निवासी सोनू पुत्र राजू गौतम (22) गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में तहरीर मिलने पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी साथ ही दुर्घटना के कारणों की भी जांच की जा रही घटना के समय विद्यालय परिसर में पेड़ों की कटाई और लकड़ी हटाने का कार्य चल रहा था पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की।

चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों के जेवरात व नकदी किए पार

अमन लेखनी समाचार

घर में बिखरा पड़ा सामान – फोटो

लखनऊ। बीती रात शातिर चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए जीने के रास्ते से दाखिल होकर अलमारी में रखें लाखों रुपए के जेवरात व नगदी लेकर फरार हो गए। सुबह उठे परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। माल थाना क्षेत्र के केडौरा निवासी हरिओम के घर को अज्ञात शातिर चोरों ने शनिवार देर रात निशाना बनाते हुए जीने के रास्ते से घर में दाखिल होकर पीछे के कमरे का ताला तोड़कर अलमारी में रखें दो जोड़ी झुमकी, सोने का हार, सोने का डोल, सोने का बेहसर, सोने का मंगलसूत्र, सोने के नाक के दो बूंदा, सोने की कील, चांदी की दो जोड़ी पायल, हाथ का फूल, 6 जोड़ी बिछिया चांदी की और दो लाख नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह उठे परिजनों ने देखा कि पीछे के कमरे का ताला टूटा हुआ है, अलमारी में रखे जेवरात व नकदी गायब है, सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा है। परिजनो और ग्रामीणों ने आसपास ढूंढने का प्रयास किया तो एक किलोमीटर दूर गांव के बाहर एक धान के खेत में चप्पल, ज्वेलरी के खाली डिब्बे और एक भला मिला। चोरी हुए सारे सामान की कीमत करीब 6 लाख बताई जा रही है, परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर शक के आधार पर नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में माल कार्यवाहक एसओ मोहम्मद रोशन ने बताया कि पीड़ित द्वारा मिली तहरीर पर एक नामजद को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की भी जांच की जा रही है।

ग्रामीण बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए शुरू हुई नियमित कक्षाएं

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से जन सहायता एवं पत्रकार कल्याण फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से रविवार को माल इलाके के पारा भद्राही गांव में नियमित कक्षाओं की शुरूआत की गई। कक्षाओं में बच्चों को पढ़ाई कराने के साथ-साथ शिक्षा के महत्व, व्यक्तित्व विकास और भविष्य को लेकर जागरूक किया जा रहा है। कक्षा के दौरान बच्चों से उनकी पढ़ाई, पसंदीदा विषयों, रुचियों और भविष्य के सपनों को लेकर संवाद किया गया। बच्चों ने भी उत्साह के साथ अपनी बात रखी और नियमित रूप से पढ़ाई करने का संकल्प लिया। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास सैनी, लखनऊ हेड मेघा गौतम तथा अध्यापक सोनका और रानी कक्षाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। फाउंडेशन की ओर से बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास सैनी ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य गांव-गांव तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है, ताकि आर्थिक या अन्य किसी कारण से कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर उनके सपनों को उड़ान देने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

दो गांवों से पानी टंकियों से केबल चोरी, पानी सप्लाई ठप

चोरों ने अनीपुर और सुरगौला की टंकियों को बनाया निशाना, लगातार हो रही वारदातों से ग्रामीणों में आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक ही रात में दो अलग-अलग गांवों की पानी टंकियों को निशाना बनाकर पुलिस के सामने चुनौती खड़ी कर दी। अज्ञात चोर अनीपुर और सुरगौला गांव में हर घर जल योजना के तहत बनी पानी टंकियों से करीब 200 मीटर सौर ऊर्जा पैनल से केबल तार काटकर फरार हो गए। केबल चोरी होने से कई गांवों में पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। करीब हजारों ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया है।

अनीपुर में 100 मीटर कॉपर केबल चोरी

अनीपुर गांव के किनारे बनी पानी की टंकी से शुक्रवार रात चोर करीब 100 मीटर कॉपर केबल काटकर ले गए। इस टंकी से अनीपुर, अटेर, अलीनगर, टीकर, रघुनाथ खेड़ा, रंडा खेड़ा, भाईदास खेड़ा, सस्पन और भदौरिया खेड़ा समेत कई गांवों में पानी की आपूर्ति की जाती है। टंकी पर तैनात भदौरिया खेड़ा निवासी ऑपरेटर सुनील कुमार ने बताया कि वह करीब तीन वर्षों से यहां कार्यरत हैं। शुक्रवार रात उनकी तबीयत खराब थी, जिसके चलते वह दवा लेने गांव के बाहर स्थित क्लीनिक गए थे। इसी दौरान रात करीब 11 बजे चोर टंकी परिसर में

पहुंचे और करीब 100 मीटर कॉपर केबल काटकर ले गए। वापस लौटने पर घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद उन्होंने उच्चाधिकारियों और रहीमाबाद पुलिस को सूचना दी। केबल चोरी होने के बाद शुक्रवार सुबह से ही संबंधित गांवों में पानी की आपूर्ति बंद है। ग्रामीण अजीत कुमार, पप्पू और अयोध्या प्रसाद ने बताया कि 24 घंटे से अधिक समय बीतने के बावजूद घरों की टोटियों में पानी नहीं पहुंचा है। ग्रामीणों को निजी साधनों और आसपास के जलस्रोतों से पानी जुटाना पड़ रहा है।

सुरगौला में सौर पैनल का केबल काट ले गए चोर

वहीं सुरगौला ग्राम पंचायत में प्राथमिक विद्यालय के सामने बनी पानी की टंकी को भी चोरों ने निशाना बनाया। यहां सौर ऊर्जा पैनल से जुड़ा करीब 100 मीटर विद्युत केबल काटकर चोर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने टंकी पर तैनात ऑपरेटर दिनेश कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। दोनों घटनाओं के संबंध में मिली तहरीर के आधार पर पुलिस जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

पहले भी हो चुकी हैं वारदातें

पानी की टंकियों से केबल चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इससे पहले 18 अगस्त को गौंदा पंचायत के औलिया खेड़ा गांव में बनी पानी की टंकी से भी चोर केबल तार चोरी कर ले गए थे। लगातार हो रही वारदातों से ग्रामीणों में दहशत और नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी टंकियां गांवों में पेयजल आपूर्ति का प्रमुख साधन हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण चोर बार-बार इन्हें निशाना बना रहे हैं।

गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र के जयराजपुरी स्थिति राजकमल बिहार निवासी संतोष सिंह ने मोटरसाइकिल के गेट से टकराने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी अविनाश कुमार अविनाश की पत्नी और प्रदीप कुमार पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। संतोष सिंह के मुताबिक 30 अगस्त को उनके बेटे का जन्मदिन था। इस दौरान बेटा अपने दोस्तों के साथ घर आया था। तभी एक बच्चे की मोटरसाइकिल उनके घर के सामने रहने वाले अविनाश कुमार के गेट से टकरा गई। आरोप है कि इस पर अविनाश की पत्नी गाली-गलौज करने लगी। संतोष का कहना है कि उन्होंने माफी मांगकर मामला शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन महिला ने अपने भाई प्रदीप कुमार को बुला लिया। आरोप है कि प्रदीप ने भी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद अविनाश भी मौके पर पहुंच गया और घर से डंडा व बेंत लाकर संतोष और उनके पिता से मारपीट की। जिसे पीड़ित संतोष और और उसके बुजुर्ग पिता महेंद्र सिंह चोटिल हो गए। फिलहाल संतोष की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

ठेला लेकर घर लौट रहे युवक से जातिसूचक शब्द कहकर मारपीट, बचाने आई महिलाओं को भी पीटा, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के ग्राम बारा निवासी सरवन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 सितम्बर 2026 की रात वह खेंचा की ठेलिया लेकर अपने घर लौट रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान गांव के उज्जवल पाठक पुत्र भोला पाठक उनका छोटा भाई आदर्श और उनकी मां ने उन्हें देखते ही गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर दबंगों ने लात-घूंसे और डंडों से सरवन की पिटाई कर दी और उन्हें वहीं पास की नाली में गिरा दिया। पति को पिटता देख जब सरवन की पत्नी उन्हें बचाने दौड़ीं, तो आरोपियों ने उनके हाथ पकड़कर खींचे और लात-घूंसे चलाए। वहीं, शोर सुनकर जब बीमार कीर्ति और लक्ष्मी (पुत्रियां रामसुमेर) बचाने आईं, तो उनके साथ भी गाली-गलौज व मारपीट की गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के काफी लोग मौके पर एकत्र हो गए, जिन्हें आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

वैकल्पिक मार्ग को प्रशासन ने कराया बंद

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। सई नदी के बड़े जलस्तर से अकबरपुर रसलपुर मार्ग के ऊपर से कई दिनों से पानी बह रहा था जिसके कारण सड़क कट गई थी और आवागमन बाधित हो गया था। जिसको लेकर गांव के ही युवाओं ने वैकल्पिक मार्ग को लेकर सड़क पर बास का पुल बना दिया था। जिससे राहगीर आवागमन कर रहे थे जो जोखिम भरा था। जिसका संज्ञान लेते हुए रविवार को एसडीएम शालिनी तोमर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची और सुरक्षा को देखते हुए बांस के पुल को हटवा दिया है। और ग्रामीणों से अपील की कोई भी राहगीर जान जोखिम में डालकर आवा गमन ना करें।

निजी अस्पताल पर लापरवाही से प्रसूता की मौत का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा, अस्पताल स्टाफ फरार

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली के निकट संचालित मां हॉस्पिटल पर इलाज में लापरवाही से प्रसूता की मौत का गंभीर आरोप लगा है। बेटी को जन्म देने के कुछ घंटों बाद जच्चा की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के बाहर हंगामा काटा। सूचना पर बीघापुर और बिहार थाने की पुलिस के साथ सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। घटना के बाद से अस्पताल का स्टाफ मौके से फरार बताया जा रहा है। बिहार थाना क्षेत्र के गांव खरहीरामपुर निवासी 24 वर्षीय महिला बिट्टो पत्नी फतेहबहादुर गर्भवती थीं। शनिवार को पेट में दर्द होने पर परिजन गांव की आशा बहू सुशीला के साथ उन्हें सुमेरपुर स्थित सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों के अनुसार वहां से डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। आरोप है कि आशा बहू ने दबाव बनाकर परिजनों से बीघापुर नगर पंचायत में कोतवाली के निकट स्थित निजी मां हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे महिला ने एक बेटी को जन्म दिया। आरोप है कि जन्म के कुछ देर बाद नवजात की हालत बिगड़ने लगी। जिसके बाद अस्पताल संचालक ने बच्ची को उन्नाव के किसी निजी अस्पताल में भेजकर भर्ती करवा दिया, जहां उसका इलाज जारी है। रविवार सुबह करीब 9 बजे प्रसूता बिट्टो की हालत बिगड़ी और उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही ससुर संत कुमार, सास रामवती समेत परिजन बिलखा पड़े और मां हॉस्पिटल के बाहर हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने सीधे तौर पर गांव की आशा बहू सुशीला पर कमीशन के चक्कर में जबरन प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराने और मां हॉस्पिटल प्रबंधन पर लापरवाही से इलाज करने का आरोप लगाया है। मां हॉस्पिटल को 21 फरवरी 2026 में एसीएमओ ने मानकों को पूरा न करने पर सील किया जा चुका है। इसके बाद भी यह फिर से संचालित हो रहा था। नगर पंचायत में मानक विहीन नर्सिंग होम व जांच केंद्र लंबे अरसे से चल रहे हैं जनता के बीच उठाती शिकायत पर भी स्वास्थ्य विभाग जांच तो दूर निरीक्षण करना भी उचित नहीं समझता है जिससे बीमार और उनके तीमारदार आर्थिक शोषण हुआ जिंदगी की खतरे मोल ले रहे हैं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की है। सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ का पानी उतरते ही लोन नदी के तटीय इलाकों में फैली भीषण गंदगी

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र से होकर गुजरने वाली लोन नदी का जलस्तर घटने के साथ ही अब तटीय गांवों में नई मुसीबतें खड़ी हो गई हैं। बाढ़ का पानी कम होते ही प्रभावित इलाकों में तीव्र दुर्गंध (बदबू) फैलने लगी है, जिससे ग्रामीणों को सास लेने में दिक्कत हो रही है और क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने का गंभीर खतरा बन गया है। हाल ही में लोन नदी में आए उफान के कारण पाटन क्षेत्र के दर्जनों गांवों की हजारों बीघा खड़ी फसल जलमग्न होकर पूरी तरह नष्ट हो गई है इसके साथ ही कई गांवों के घरों में भी बाढ़ का पानी घुस गया था, जिससे भारी आर्थिक नुकसान हुआ। अब जैसे-जैसे नदी का जलस्तर घट रहा है, खेतों और आबोहवा में जमा पानी सड़ने लगा है। बहकर आए मलबे और सड़ी-गली फसलों की वजह से उठ रही तेज बदबू ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक हुआ लापता

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के कुरसठ ग्रामीण के मजरा अनवर खेड़ा से 18 वर्षीय युवक सुभाष के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है पीड़ित पिता रामबाबू ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बेटे की तलाश की गुहार लगाई है जानकारी के अनुसार सुभाष 31 अगस्त 2026 को बाल कटवाने के लिए कुरसठ गया था लेकिन शाम तक घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों द्वारा रिश्तेदारों व अन्य स्थानों पर काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका इसके बाद 1 सितंबर 2026 को सुभाष का फोन पिता के पास आया, जिसमें उसने 1,000 रुपए ऑनलाइन भेजने की बात कही बातचीत के दौरान उसने बताया कि वह कानपुर में हाईवे पर है पिता द्वारा नंबर मांगने पर उसने एक क्यू आर कोड भेजा जब परिजनों ने पैसे नहीं भेजे और नंबर मांगा तो उसके बाद से फोन बंद आने लगा परिजनों से उसका अंतिम संपर्क 2 सितंबर को हुआ था जिसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिला तो पिता ने पुलिस को तहरीर दी पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

जमीनी विवाद में सिर में डंडा लगने से एक मासूम बच्ची की मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के बल्लापुर गांव में जमीनी विवाद ने एक मासूम बच्ची की जिंदगी छीन ली। दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान बीच में आई आठ वर्षीय बालिका के सिर में डंडा लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। कई घंटे तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में भी मातम छा गया। बल्लापुर निवासी जाबिर और उसके भाई पप्पू के बीच जमीन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। परिजनों के अनुसार, बीते शुक्रवार की रात करीब नौ बजे इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान जाबिर की आठ वर्षीय पुत्री रेशमा विवाद के बीच आ गई। आरोप है कि पप्पू के पुत्र रिजवान ने बालिका के सिर पर डंडा मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सरकारी एंबुलेंस से घायल रेशमा को यहाँ के सरकारी अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर उच्च चिकित्सा केंद्र पहुंचे।, जहां उपचार के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। बालिका की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां शाहिना की तहरीर पर पुलिस ने रिजवान और उसके पिता पप्पू के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर दोनों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बालिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हंसती-खेलती रेशमा की अचानक मौत ने परिवार के साथ गांव वालों को भी झकझोर दिया है। जिस घर में मासूम की खिलखिलाहट गूंजती थी, वहां अब मातम और सिसकियों का माहौल है।

नवयुवक ने 5 वर्षीय बच्ची के साथ किया दुष्कर्म मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के गाजीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासिनी पीड़ित मां ने नजदीकी थाना गाजीपुर में लिखित तहरीर देते हुए 5 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले नवयुवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया मिली जानकारी के अनुसार बेटी के साथ थाना क्षेत्र के शाखा गांव निवासी 16 वर्षीय नवयुवक रोहित पुत्र राकेश ने अपने घर ले जाकर बलात्कार किया वही चीखती चिल्लाती बेटी ने अपने माता-पिता से शिकायत करने की बात कही जहां परिवार के ही दरिंदे नवयुवक ने घटना की जानकारी परिजनों को देने पर जान से मार देने की धमकी दे डाली फिर भी अबोध बालिका ने अपनी मां से पूरी घटना कह सुनाई पीड़ित की मां ने विगत 5 सितंबर को पुलिस प्रशासन को सूचना दी तथा लिखित तहरीर प्रस्तुत की थाना प्रभारी विनोद कुमार ने पीड़ित की मां द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 225 / 2026 के तहत बीएस की धारा 652 ,351 (3) तथा पास्को एक्ट की धारा के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया वही जानकारी लेने पर थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि दी गई तहरीर तथा प्रथम दृष्टया द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ की गई है जिसकी जांच स्वयं थाना प्रभारी करते हुए अग्रिम कार्रवाई करेंगे

तालाब में डूबे किशोर की हुई मौत घर में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुरे जनपद के गाजीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत करसवा मजरे अब्दुल गनीपुर निवासी 16 वर्षीय किशोर रत्नेश पुत्र रामनरेश की तालाब में डूबने से मौत हो गई यह जानकारी जैसे ही परिजनों को मिली तो घर में कोहराम मच गया मिली जानकारी के अनुसार किशोर कल रविवार सुबह लगभग 10 बजे तालाब में डूबा वही काफी तलाश की गई परंतु रत्नेश का कोई पता नहीं चला वहीं घटना की सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई जहां सूचना पाते ही गाजीपुर थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे लगभग आधा दर्जन गोताखोरों की मदद से किशोर को तालाब के बाहर निकाला गया वहीं तुरंत पुलिस प्रशासन ने रत्नेश को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गाजीपुर भेजा जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया यह जानकारी जैसे ही परिजनों को मिली तो घर में गम का माहौल बन गया मिली जानकारी के अनुसार रत्नेश इंटरमीडिएट का छात्र था जो अपनी दो बहनों के बीच इकलौता भाई था पुलिस प्रशासन ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

खेत पर काम कर रही महिला को सर्प ने काटा हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम धान की फसल से घास निकाल रही महिला को सांप ने काट लिया परिजन अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़ फूंक कराते रहे जिससे रात में उसकी मौत हो गयी रविवार सुबह घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थाना क्षेत्र के जिंदा खेडा गांव निवासी उमाशंकर की पत्नी दयावती 44 शनिवार की शाम धान की फसल से घास निकाल रही थी इसी बीच उसे सांप ने काट लिया परिजन बाबा खेडा गांव ओझा के पास झाड फूंक के लिए ले गए जहां वह झाड फूंक करता रहा और रात मे उसकी मौत हो गयी मृतका के पति ने रविवार घटना की जानकारी पुलिस को दी और पीएम कराने की मांग की जिस पर पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज मृतका के तीन बेटे अनिल, सुशील, बिनीत दो बेटियां सरोजनी व रोशनी हैं मां की मौत से मृतका के बच्चे आहत हैं इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह मृतका

के पति द्वारा घटना की जानकारी दी गयी और पीएम कराने की मांग की जिस पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के तहत थाना मौरावां पुलिस ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। थाना प्रभारी व मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीम ने ग्राम पंचायत मोहिद्दीनपुर में ग्राम चौपाल और बहू-बेटी सम्मेलन किया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं के साथ ही ग्राम प्रधान और सम्मानित लोगों को जागरूक किया गया। टीम ने हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 1930, 1098, 181, 108, 102, 1076 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सरकार द्वारा संचालित योजनाओं और साइबर अपराध से बचाव के उपायों के बारे में भी बताया गया और उनकी समस्याएं सुनी गईं।

पति-पत्नी के 37 विवादित जोड़ो की सकुशल की गयी विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जय प्रकाश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन एवं नीतू सिंह जनपदीय अध्यक्षा वामा सारथी उन्नाव की उपस्थिति में रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त परिवार परामर्श केन्द्र से 07, थाना पुरवा, थाना औरास से 06-06 थाना मौरावां, थाना महिला थाना, थाना गंगाघाट से 03-03, थाना कोतवाली सदर, थाना हसनगंज, थाना फतेहपुर चौरासी से 02-02, थाना बांगरमऊ, थाना सोहरामऊ, थाना अजगैन से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में डॉ0 आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में तब्बुसुम नफीस, डॉ0 शशी रंजना अग्निहोत्री संजय चौरसिया, डा0 मनीष सिंह सेंगर, डॉ0 एस0के0 पाण्डेय, डा0 अबसार अली, डा0 सगीर अहमद व सहयोगी शिवेन्द्र चौहान तथा पुलिस टीम में प्र0नि0 महिला हेल्पडेस्क संतोष कुमारी सिंह, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेखा सिंह, उप निरीक्षक मिथलेश वर्मा ,महिला आरक्षीगण अंशू रानी, चिंतन, आराधना, करिश्मा, सेविका, तरूण, पूनम शाक्य, राजनन्दनी, रूबी, श्वेता, बबली, पूजा, लक्ष्मी वर्मा, अलका, शीलू, सोनम, महिला कांस्टेबल प्रियंका मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

चाचा की फोटो लगाकर व्हाट्सएप पर मांगी मदद, युवक से ठगे 2.73 लाख

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के भगवन्तनगर वार्ड नं0 7 के रहने वाले विकास कुमार पुत्र कुंज बिहारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 1 सितम्बर 2026 को उनके व्हाट्सएप/फोन मैसेंजर पर एक अज्ञात व्यक्ति का मैसेज और कॉल आया। जालसाज ने विकास के चाचा जी की फोटो (ऊढ) लगा रखी थी और खुद को गंभीर मुसीबत में बताते हुए तुरंत पैसों की मांग की। चाचा को संकट में समझकर विकास ने रिश्तेदारी और मानवता के नाते बिना सोचे-समझे पैसे भेजना शुरू कर दिया। जब उनके पास खुद के पैसे खत्म हो गए, तो उन्होंने अपने दोस्तों और परिचितों से उधार लेकर ठग के बताए खातों में पैसे ट्रांसफर कर दिए। विकास ने साइबर अपराधियों द्वारा दिए गए अलग-अलग खातों और वढक आईडी पर कुल 2,73,000 भेजे, पैसे भेजने के बाद जब विकास ने अपने असली चाचा जी से बात की, तब उन्हें पता चला कि चाचा बिल्कुल सुरक्षित हैं और उन्हें किसी पैसे की जरूरत नहीं थी। तब जाकर विकास को अहसास हुआ कि वे एक सुनियोजित साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया मुकदमा दर्ज कर साइबर सेल की मदद से आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

जमीन पर कब्जे के विरोध पर 70 वर्षीय वृद्धा व बेटी को पीटा दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के ग्राम चिलौली की रहने वाली 70 वर्षीया सावित्री पत्नी कृपाशंकर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 29 अगस्त 2026 की दोपहर लगभग 3:30 बजे उनके दोनों बेटे राहुल और दीपक गांव में ही एक मैयत में घाट पर गए हुए थे। घर पर सावित्री, उनके पति और 38 वर्षीया बेटी कोमल मौजूद थीं। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के ही नन्द किशोर उर्फ धुन्नू (पुत्र शक्तिदीन), उनके बेटे मोहित व राजा, बहन सावित्री और पत्नी सुशीला जबरन जमीन पर कब्जा करने की नीयत से मिट्टी डालने लगे। जब वृद्धा सावित्री ने जमीन पर मिट्टी डालने का विरोध किया, तो आरोपी पक्ष के लोग लाठी, फावड़ा और ईंट-पत्थर लेकर आ गए और उनके साथ मारपीट करने लगे। मां को बचाने के लिए जब बेटी कोमल बीच-बचाव करने पहुंची, तो दबंगों ने उसके साथ भी मारपीट की। आरोप यह भी है कि विपक्षी पीड़िता के बंगले पर भी जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

तेज बारिश से हैबतपुरा में मकान गिरा, महिला मलबे में फंसी

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। लगातार हो रही तेज बारिश के चलते गरौठा तहसील क्षेत्र के ग्राम हैबतपुरा में एक मकान अचानक गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया। मकान के अंदर मौजूद एक महिला मलबे में फंस गई, जिसे ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हैबतपुरा निवासी भगवान सिंह पुत्र मानसिंह ने बताया कि मकान गिरने से अंदर रखा गेहूं और भूसा पूरी तरह बर्बाद हो गया। घटना के बाद पीड़ित किसान ने तहसील प्रशासन को मामले की जानकारी देते हुए मकान व खाद्यान्न के नुकसान का सर्वे कराकर नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

प्लाट पर खड़ी कार रहस्यमय ढंग से जलकर हुई खाक

अमन लेखनी समाचार

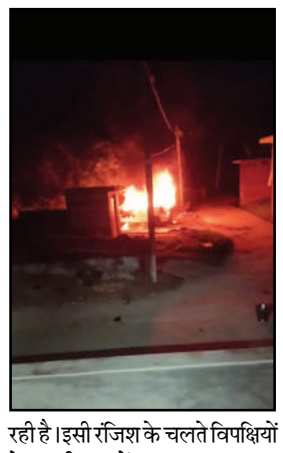

बांगरमऊ, उन्नाव। प्लाट पर खड़ी कार रहस्यमय ढंग से जलकर खाक हो गई। पीड़ित ने जमीनी विवाद के चलते कार फूंकने का आरोप लगाते हुए गांव के ही विपक्षियों को नामित कर पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्र के गांव दूबरि पुरवा निवासी शालिनी सिंह पत्नी धर्मसिंह के अनुसार करीब एक वर्ष पूर्व उन्होंने फरुखाबाद क्षेत्र निवासी रिश्तेदार से एक कार खरीदी थी। जो गांव स्थित उनके प्लाट पर खड़ी हुई थी। रविवार को तडके रहस्यमय ढंग से कार में लाग लग गई। जिससे कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पीड़ित का आरोप है जिस जमीन पर उसकी कार खड़ी थी उसी जमीन को लेकर गांव निवासी विपक्षियों से उसकी रंजिश चली आ रही है। इसी रंजिश के चलते विपक्षियों ने उसकी कार में आग लगाकर जला दिया है। पीड़ित ने घटना के संबंध में पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में लगी हुई है।

ऐतिहासिक मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। विकास खंड क्षेत्र के गेरुवा गाँव के ककोर बाबा देव स्थान पर विगत कई वर्षों से भादो माह के प्रत्येक रविवार को लगने वाले ऐतिहासिक मेला में रविवार को हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मेला की सुरक्षा चाकचौबंद करने के लिए औरास थाना पुलिस के अलावा अतिरिक्त पुलिस फोर्स जगह जगह तैनात किया गया है। जिसकी मॉनिटरिंग, बांगरमऊ क्षेत्राधिकारी हर्ष मोदी व थाना प्रभारी संजीव कुमार स्वयं कर रहे है। मान्यता है कि इस मेले में बने तालाब में जो व्यक्ति स्नान कर सात बार मिट्टी निकाल कर बाहर रख देता है। उसे जीवन पर्यन्त फोड़ा फुंशी से निजात मिल जाती है। इस मान्यता को देखते हुए क्षेत्रीय लोगो के अलावा उन्नाव, कानपुर हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी जनपद से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते है। सुबह चार बजे से मेला की शुरूवात हो जाती है जो रात 8 बजे तक हजारों श्रद्धालु दर्शन कर अपने अपने घरों को वापस होते है।

सिमरधा में भव्य दही मटकी प्रतियोगिता का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। सिमरधा में पडु तालाब पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य दही मटकी समारोह एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 5100 रुपये की दही मटकी फोड़ प्रतियोगिता में गरौठा, जसवंतपुरा, शंकरगढ़ एवं सिमरधा की गोविंदा टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 12 राउंड हुए। अंत में गरौठा की टीम ने चार मानव मीनार बनाकर दही मटकी फोड़ने में सफलता हासिल की और प्रतियोगिता अपने नाम की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बृजेंद्र व्यास एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य संजीव निरंजन ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विजेता टीम को झुण्डनलाल अध्यापक, पूर्व प्रधान मोनू लंबरदार एवं सुशील विश्वकर्मा गरौठा द्वारा नगद पुरस्कार राशि के साथ राधा-कृष्ण की प्रतिमा, टिफिन सेट आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रहलाद राजपूत, रामकुमार तिवारी, दयाशंकर राजपूत, बृजेश तिवारी, नरेंद्र तिवारी, रामजी तिवारी, कपिल राजपूत, हजरत मंसूरी, अमित सेंगर, जसवंत राजपूत, भरत राजपूत, निमार्णी चौबे, योगेंद्र राजपूत सहित ग्राम के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सूर्य प्रताप यादव एवं शाहरुख सिमरधा ने किया।

भारत सरकार ने अप्रैल से जून 2026 में देश की अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि बताई है। सरकार ने आधार साल इसलिए बदला क्योंकि पहले का ढांचा पुराना पड़ गया था। नए तरीके से पिछले साल का आकार छोटा दिखा, इसलिए इस साल की बढ़ोतरी बड़ी दिखी। दो अलग तरीकों को मिलाना गलत है। सरकार का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने की बजाय उनके करीब गई है-खासकर डबल डिफ्लेशन से। आम आदमी के लिए सरल बात यह है: 7.8 प्रतिशत नए मीटर से नापा गया आंकड़ा है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि यह आंकड़ा बनावटी है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग के अनुसार अगर पिछले साल का हिसाब पुराने तरीके से रखा जाता तो बढ़ोतरी सिर्फ करीब 2.6 प्रतिशत दिखती। यह जीडीपी पर कथित विवाद सांख्यिकी के अधूरे ज्ञान और भ्रामक मापन पद्धतियों का उपयोग करके एक नैगेटिव नैरेटिव स्थापित करने का मामला है। दो अलग-अलग आधार वर्षों वाली सीरीज के आंकड़ों को मिलाकर 2.6% का आंकड़ा निकालना सांख्यिकीय दृष्टिकोण से पूरी तरह अमान्य है। दूसरी ओर, भारत ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थामी जरूर है, लेकिन अब जरूरत इस रफ्तार को लंबे समय तक टिकाऊ, रोजगारपरक और समावेशी बनाने की है। यही आर्थिक मजबूती की असली कसौटी होगी। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

आधार वर्ष बदला, तराजू नया तो तुलना पुरानी कैसे?

विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

जीडीपी का मतलब है देश में एक तिमाही या एक साल में जितना सामान और सेवाएं बनती हैं, उसकी कुल कीमत। किसान का अनाज, कारखाने की चीजें, दुकान की बिक्री, बैंक, अस्पताल, स्कूल, सब जोड़कर जीडीपी बनती है। जीडीपी दो तरह की होती है। एक है मौजूदा दामों वाली जीडीपी। इसमें महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले तुलना का आधार साल 2011-12 था। अब आधार साल 2022-23 हो गया। सोचिए, पुराने तराजू की जगह नया तराजू आ गया। दोनों सही हो सकते हैं, लेकिन एक तराजू का वजन दूसरे तराजू से सीधा नहीं मिलाया जा सकता।

भारत सरकार ने कहा कि अप्रैल से जून 2026 में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह सुनकर कई लोग खुश हुए। कुछ लोगों ने कहा कि आंकड़ा बनावटी है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग बोले कि अगर पिछले साल का हिसाब पुराने तरीके से रखा जाता तो बढ़ोतरी सिर्फ करीब 2.6 प्रतिशत दिखती। आम आदमी का सवाल साफ है कि सच क्या है? जीडीपी का मतलब है देश में एक तिमाही या एक साल में जितना सामान और सेवाएं बनती हैं, उसकी कुल कीमत। किसान का अनाज, कारखाने की चीजें, दुकान की बिक्री, बैंक, अस्पताल, स्कूल, सब जोड़कर जीडीपी बनती है। जीडीपी दो तरह की होती है। एक है मौजूदा दामों वाली जीडीपी। इसमें महंगाई शामिल रहती है। दूसरी है असली जीडीपी। इसमें महंगाई निकाल दी जाती है। सरकार का 7.8 प्रतिशत असली जीडीपी की बढ़ोतरी है। फरवरी 2026 में सरकार ने जीडीपी नापने का तरीका बदला। पहले तुलना का आधार साल 2011-12 था। अब आधार साल 2022-23 हो गया। सोचिए, पुराने तराजू की जगह नया तराजू आ गया। दोनों सही हो सकते हैं, लेकिन एक तराजू का वजन दूसरे तराजू से सीधा नहीं मिलाया जा सकता। पुराने तरीके से अप्रैल-जून 2025 की जीडीपी लगभग 86 लाख करोड़ रुपये बताई गई थी। नए तरीके से वही तिमाही लगभग 80 लाख करोड़ रह गई। इस साल अप्रैल-जून 2026 की जीडीपी नए तरीके से लगभग 88 लाख करोड़ बताई गई। अगर कोई 88 की तुलना पुराने 86 से करे तो बढ़ोतरी बहुत छोटी-करीब 2.6 प्रतिशत दिखती है।

सरकार कहती है कि तुलना नए तरीके के पिछले साल यानी करीब 80 से करो। तब नाममात्र बढ़ोतरी 10.3 प्रतिशत और महंगाई निकालकर 7.8 प्रतिशत बनती है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के पूर्व संपादक राकेश सूद कहते हैं कि दस-बारह साल में देश बहुत बदल जाता है। पहले जो चीजें ज्यादा बनती थीं, अब उनकी जगह मोबाइल ऐप, डिजिटल पेमेंट और नई सेवाएं आ गईं। पुराने साल को आधार रखने से तस्वीर पुरानी रह जाती है।

दो अलग तरीकों को मिलाना गलत

जीडीपी से निकली महंगाई बाजार की महंगाई से काफी कम दिखती है। कई लोग पूछते हैं-अगर अर्थव्यवस्था इतनी तेज दौड़ रही है तो नौकरियां और आम आदमी की जेब क्यों उतनी नहीं सुधरती? रघुराम राजन जैसे अर्थशास्त्री यही पूछते हैं। कांग्रेस कहती है कि कई सालों के आंकड़े बड़ी मात्रा में घटाए गए, पूरा ब्योरा साफ नहीं है। ये सवाल जायज हैं। अच्छा आंकड़ा सिर्फ ऊंचा प्रतिशत नहीं होता। समझ में आने वाला हिसाब और रोजमर्रा की जिंदगी से मेल भी चाहिए। सरकार ने आधार साल इसलिए बदला क्योंकि पुराना ढांचा पुराना पड़ गया था। नए तरीके से पिछले साल का आकार छोटा दिखा, इसलिए इस साल की बढ़ोतरी बड़ी दिखी। दो अलग तरीकों को मिलाना गलत है। सरकार का दावा है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़ने की बजाय उनके करीब गई है-खासकर डबल डिफ्लेशन से। आम आदमी के लिए सरल बात यह है: 7.8 प्रतिशत नए मीटर से नापा गया आंकड़ा है। पुराने मीटर से मिलाकर निकला 2.6 प्रतिशत तुलना की गलती है। विश्वास तभी बढ़ेगा, जब हर क्षेत्र का साफ हिसाब और पुराने सालों की पूरी तुलना सबके सामने हो।

सिंगल डिफ्लेशन था पुराना तरीका

दुनिया के ज्यादातर देश हर पांच-सात साल में आधार साल बदलते हैं। भारत में यह काम देर से हुआ, क्योंकि बीच में जीएसटी आया और कोविड पड़ा। 2022-23 इसलिए चुना गया कि वह साल ज्यादा असामान्य नहीं माना गया। सिर्फ साल नहीं बदला। अब जीएसटी के आंकड़े, गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन, सरकारी खर्च के डिजिटल रिकॉर्ड और नए कीमत सूचकांक भी इस्तेमाल होते हैं। असली जीडीपी निकालने के लिए महंगाई काटनी पड़ती है। इसे डिफ्लेशन कहते हैं। यानी दाम की हवा निकालना, ताकि पता चले कि असल में कितना ज्यादा सामान बना, सिर्फ महंगा तो नहीं हो गया। पुराना तरीका अक्सर सिंगल डिफ्लेशन था। कारखाने की तैयार चीज की कीमत से महंगाई एक बार काट दी जाती थी। दिक्कत यह है कि कारखाने का मुनाफा या मूल्य सिर्फ तैयार माल से नहीं बनता। आटा महंगा हो और रोटी सस्ती बिके, तो बेकर की कमाई घट जाती है।

असली मूल्य-वृद्धि साफ दिखती है

सिर्फ रोटी के दाम से हिसाब लगाने पर असली हाल छिप सकता है। डबल डिफ्लेशन में दो बार काटा जाता है। एक बार तैयार माल की महंगाई काटी जाती है। कितनी रोटियां बनीं। दूसरी बार कच्चे माल की महंगाई काटी जाती है-आटा, तेल, बिजली कितने महंगे हुए। दोनों का अंतर निकालकर पता चलता है कारखाने ने असल में कितना मूल्य जोड़ा। उदाहरण से समझिए। मान लीजिए एक कारखाना पंखे बनाता है। पंखे के दाम 8 प्रतिशत बढ़े, लेकिन लोहा और मोटर 12 प्रतिशत महंगे हो गए। सिंगल तरीके में सिर्फ पंखे की महंगाई काटने से उत्पादन अच्छा दिख सकता है। डबल तरीके में महंगे कच्चे माल को भी हिसाब में लिया जाता है, इसलिए असली मूल्य-वृद्धि कम या ज्यादा साफ दिखती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, खासकर आईएमएफ, विनिर्माण के लिए इसी तरीके को बेहतर मानती हैं। भारत ने नई श्रृंखला में कारखानों के लिए इसे बढ़ाया है।

आधार साल बदलना आम चलन

पहले कई जगह पुराने थोक महंगाई सूचकांक पर ज्यादा निर्भरता थी। कुछ जानकार कहते हैं सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मापदंड तोड़े। कहानी उलटी है। आईएमएफ ने पहले भारत के जीडीपी आंकड़ों को "सी" ग्रेड दिया था। कारण थे बहुत पुराना आधार साल और कमजोर नापने का तरीका। नई श्रृंखला इन्हीं कमियों को ठीक करने की कोशिश है। आधार साल बदलना नियम तोड़ना नहीं, आम चलन है। एक तिमाही में अचानक बड़ी गिरावट दिखना आम आदमी को शक दिलाता है। पूर्व मुख्य सांख्यिकी विद प्रणब सेन ने कहा कि आंकड़े फर्जी नहीं लगते, लेकिन दिखने का तरीका खराब है। पुरानी गणना में अर्थव्यवस्था कुछ ज्यादा बड़ी बताई जा रही थी, नई गणना ने उसे काटा। एक ही नए तरीके के अंदर हिसाब लगाएं तो 7.8 प्रतिशत सही गणना है। 2.6 प्रतिशत तब निकलता है जब पुराना तराजू और नया तराजू मिला दिए जाएं। सांख्यिकी में यह मिलावट गलत मानी जाती है।

उथल-पुथल के बावजूद नहीं थमी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

आर्थिकी

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

आज भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। इतनी बड़ी आबादी वाले देश को आर्थिक और सामाजिक स्तर पर संभलना अपने आप में बड़ी चुनौती है। भारत की आबादी कई देशों की कुल आबादी से भी अधिक है और कई देशों की आबादी जितनी है, उतनी हमारे एक राज्य की आबादी है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई, सप्लाई चेन में व्यवधान और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत मजबूत रफ्तार बनाए रखी है।

अप्रैल-जून 2026 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो बाजार और आरबीआई के अनुमान से भी अधिक थी। यह आंकड़ा बताता है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है। भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। पहली तिमाही में निजी खपत करीब 7.1 प्रतिशत बढ़ी। इसका अर्थ है कि वैश्विक मांग कमजोर होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह निर्यात पर निर्भर नहीं है। देश के भीतर बढ़ती खपत आर्थिक गतिविधियों को लगातार सहारा दे रही है। सड़क, रेलवे, बंदरगाह, मेट्रो, बिजली और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सरकारी निवेश लगातार बढ़ा है। इससे निर्माण क्षेत्र के साथ-साथ उससे जुड़े उद्योगों में भी मांग पैदा हुई है। अप्रैल-जुलाई 2026 में केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च करीब 30 प्रतिशत बढ़ा। यह निवेश केवल तत्काल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा नहीं देता, बल्कि भविष्य की उत्पादन क्षमता और रोजगार के लिए भी आधार तैयार करता है। अब केवल सरकार ही निवेश का इंजन नहीं है। अप्रैल-जून तिमाही में निजी निवेश में करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन यानी जीएफसीएफ जीडीपी के 34.3 प्रतिशत तक पहुंच गया। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी अर्थव्यवस्था के विस्तार को अधिक टिकाऊ बनाने का कार्य हुआ है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में करीब 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट और आईटी से जुड़े क्षेत्रों में लगभग 12.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत की मजबूत सर्विस अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक झटकों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच बनकर उभरी है। डिजिटल भुगतान, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बैंकिंग प्रणाली के विस्तार ने अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को औपचारिक बनाने में मदद की है। इससे टैक्स संग्रह, क्रेडिट की उपलब्धता और कारोबार की निगरानी में सुधार हुआ है। जीसीआरए ने भी जीएसटी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भारत की आर्थिक मजबूती के महत्वपूर्ण आधारों में शामिल किया है। जीडीपी की 7-8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से अच्छी खबर है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इस आर्थिक वृद्धि का पर्याप्त लाभ रोजगार और आम लोगों की आय में भी दिखाई दे रहा है? यही भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। तेज आर्थिक वृद्धि को बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार में बदलना होगा। मजदूरी में वृद्धि और लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। केवल जीडीपी का बढ़ना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसका लाभ समाज के व्यापक हिस्से तक नहीं पहुंचता। भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए लॉजिस्टिक्स, बिजली, जमीन और नियामकीय बाधाओं को कम करना होगा। छोटे और मध्यम कारोबारों को सस्ता तथा आसान ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए बड़े बाजार खोलना भी जरूरी है। कृषि क्षेत्र भी अभी मौसम और सिंचाई पर काफी निर्भर है। कमजोर मानसून का असर सीधे ग्रामीण आय और खाद्य कीमतों पर पड़ सकता है। इसलिए सिंचाई, कृषि तकनीक और भंडारण व्यवस्था में निवेश बढ़ाना जरूरी है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे में भू-राजनीतिक संकट के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर महंगाई और चालू खाते के घाटे पर पड़ सकता है। जुलाई 2026 में खुदरा महंगाई 4.45 प्रतिशत रही, जबकि खाद्य महंगाई 5.52 प्रतिशत तक पहुंच गई। ऐसे में ऊर्जा और खाद्य कीमतों पर नियंत्रण आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आईटी से आगे बढ़ना अनिवार्य है।

> **भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए लॉजिस्टिक्स, बिजली, जमीन और नियामकीय बाधाओं को कम करना होगा। छोटे और मध्यम कारोबारों को सस्ता तथा आसान ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके लिए बड़े बाजार खोलना भी जरूरी है।**

भारत की आईटी और डिजिटल सेवाएं वैश्विक स्तर पर मजबूत हैं, लेकिन निर्यात को और व्यापक बनाने की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, मशीनरी, टेक्सटाइल और अन्य विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात में बड़े स्तर पर विस्तार भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में और मजबूत स्थान दिला सकता है। आगे की राह भी अनिवार्य है। भारत की आर्थिक मजबूती का मौजूदा मॉडल तीन प्रमुख स्तंभों पर खड़ा दिखाई देता है—घरेलू खपत, सरकारी पूंजीगत निवेश और तेजी से बढ़ता निजी निवेश। वैश्विक संकट के बीच यही संयोजन भारतीय अर्थव्यवस्था को अपेक्षाकृत मजबूती प्रदान कर रहा है। लेकिन अगले चरण की चुनौती इससे कहीं बड़ी है। भारत को तेज जीडीपी वृद्धि को तेज रोजगार, बढ़ती मजदूरी और व्यापक समृद्धि में बदलना होगा। यानी भारत ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थामी जरूर है, लेकिन अब जरूरत इस रफ्तार को लंबे समय तक टिकाऊ, रोजगारपरक और समावेशी बनाने की है। यही आर्थिक मजबूती की असली कसौटी होगी।

वैचारिक मतभेद बनाम निजी खुन्नस

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिमी एशिया और रूस-यूक्रेन की लड़ाई के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रहीं हैं। ऐसे में जब यह आंकड़ा आया कि देश की जीडीपी की विकासदर 7.8 प्रतिशत रही है, अव्वल तो खुशी का माहौल होना चाहिए था। लेकिन इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की बुनियाद बना है पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग का दावा। उनका कहना है कि जीडीपी आधार को 86 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया है।

इस लिहाज से यह दर शून्य से लेकर 2.6 प्रतिशत तक ही बैठती है। सरकार के आंकड़ों की कोई पूर्व रसूखदार अधिकारी खिल्ली उड़ाए और उसे विपक्ष न ले उड़ता तो हैरत ही होती, लेकिन ऐसा हो रहा है। इसकी वजह यह है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ी वैचारिक खाई निजी खुन्नस और दुश्मनी तक पहुंच गई है। इस वजह से दोनों ही पक्षों में एक-दूसरे को लेकर भरोसे का रिश्ता नहीं रह गया है। यही वजह है कि देश को जोड़ने और आगे बढ़ाने वाले जब भी कोई मुद्दा या आंकड़ा सामने आता है, विपक्ष उसकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े करने लगता है। ऐसा नहीं कि अतीत में विपक्ष सरकार को नहीं घेरता रहा है। लेकिन तब भी यह ध्यान रखा जाता था कि राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर ऐसे कदम न उठाए जाएं या ऐसे बयान न दिए जाएं, जिससे देश की छवि पर आंच पहुंचे। अगर ऐसा नहीं होता तो मानवाधिकार के मामले पर नेता प्रतिपक्ष पाकिस्तान की मुखालफत करने के लिए जेनेवा जाने वाले सरकारी दल की अगुआई नहीं करता। भारत ने जब-जब परमाणु परीक्षण किया, तत्कालीन विपक्ष उसके साथ रहा। वाजपेयी के पोखरण परीक्षण के बाद तो अमेरिका ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे, लेकिन कांग्रेस ने तब भी वाजपेयी सरकार पर सवालिया निशान नहीं लगाए थे। आज के दौर में अगर मोदी सरकार ऐसा कोई परीक्षण करती है तो उससे आज का विपक्ष सबूत मांगेगा। इसी तरह जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भी मोदी सरकार को झूठा ठहराने की कोशिश हो रही है। चीन गलवान कांड के दौरान भारतीय सीमावर्ती कमांड के चीफ रहे जनरल को बर्खास्त कर देता है, फिर भी राहुल गांधी की अगुआई में विपक्ष अब भी प्रचारित करने से परहेज नहीं कर रहा है कि गलवान घाटी में भारतीय सेना को चीन ने हराया और चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी की ओर से बार-बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिसका संकेत तो यही लगता है कि वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की इस प्रवृत्ति को राष्ट्रीयता बनाम राजनीति के बहस के दायरे में लाकर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करती रहती है। विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है। हालांकि चुनाव आयोग ऐसे आरोपों का जवाब देता रहा, लेकिन विपक्ष की जुबान नहीं रुकी। इसी तरह बीते लोकसभा चुनाव के बाद अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में राहुल ने कहा था, 'भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा हुआ है, अब यह लड़ रहा है। 'इसी तरह सितंबर 2023 में राहुल ने यूरोपीय यूनियन को संबोधित करते हुए ब्रसेल्स में कहा था कि भारत में भेदभाव और हिंसा बढ़ रही है। इस तरह के बयानों से राहुल जहां भारत के आंतरिक मामलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाते रहे हैं, वहीं इसके जरिए वे भारतीय संस्थाओं को खुद ही बदनाम करते हैं। ऐसे बयानों से अक्सर वे भारत को ही सवालों के घेरे में रखते हैं और इस तरह देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उनके ऐसे बयानों को बाद में समूचा विपक्ष और ले उड़ता है और जगह-जगह भारतीय छवि को नुकसान पहुंचाता है। ऐसा ही इस बार जीडीपी को लेकर हो रहा है। विपक्ष को भूलना नहीं चाहिए कि ऐसे सवाल उठाकर वह भारतीय सरकार को नहीं, भारत की छवि को खराब कर रहा है। उसे देखना होगा कि भारत के आंकड़ों को विश्व बैंक ने भी मान्यता दे दी है। ऐसे में सवाल विपक्षी सोच पर भी उठता है। उसे भी सोचना होगा कि राष्ट्रीय विकास और हित में उसकी भी अपनी सकारात्मक भूमिका है और उसे निभाना होगा।

विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार-बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग 'कंप्रोमाइज्ड' है और इसके सिस्टम में 'बहुत गलत' है।

बेतुके तर्कों के गढ़ते नेगेटिव नैरेटिव

विवाद

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय लेखा प्रणाली में डेटा और सांख्यिकीय पद्धतियों का बहुत महत्व है। जब देश के वित्त सचिव पद पर रह चुका वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर की गणना पर सवाल उठाता है तो बहस का विषय बनना स्वाभाविक है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग द्वारा जीडीपी आंकड़ों पर दिए तर्क के बाद देश के आर्थिक और राजनीतिक हलकों में एक तीखी बहस छिड़ गई। गर्ग का दावा था कि देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% न होकर मात्र 2.6% के आसपास है।

उनके दावे के बाद आर्थिक सांख्यिकी विशेषज्ञों, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और आर्थिक सलाहकारों ने उनके विश्लेषण की बुनियादी खामियों को उजागर किया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने आधार वर्ष 2022-23 की नई जीडीपी सीरीज के तहत वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों के अनुसार पहली तिमाही की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% और सांकेतिक जीडीपी 88.27 लाख करोड़ है। सुभाष चंद्र गर्ग का तर्क था कि पिछले वर्ष की पहली तिमाही की नॉमिनल जीडीपी का आंकड़ा पुरानी सीरीज (2011-12 आधार वर्ष) के तहत 86.05 लाख करोड़ बताया गया था। जब सरकार ने नई सीरीज (2022-23 आधार वर्ष) जारी की तो उन्होंने पहली तिमाही के नॉमिनल जीडीपी के आंकड़े को संशोधित कर 80.00 लाख करोड़ कर दिया। गर्ग का आरोप है कि सरकार ने पिछले साल के जीडीपी आंकड़े में लगभग 6 लाख करोड़ का बेस घटाकर चालू वर्ष की वृद्धि दर को कृत्रिम रूप से बढ़ाकर दिखाया है। वास्तविक आधार पर देश की आर्थिक वृद्धि शून्य के करीब है।

अर्थशास्त्र और राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के मूलभूत सिद्धांतों के तहत सुभाष गर्ग का यह विश्लेषण गंभीर सांख्यिकीय विसंगति का शिकार माना गया। उन्होंने नई और पुरानी सीरीज का बेमेल मिश्रण कर दिया। सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का पहला नियम यह है कि दो अवधियों के आंकड़ों की तुलना केवल तभी संभव है जब आधार वर्ष, डेटा स्रोत और मापन पद्धति समान हों। गर्ग ने अंश (न्यूमिनेटर) में नई सीरीज (बेस ईयर 2022-23) का आंकड़ा (88.27 लाख करोड़) और हर (डिनोमिनेटर) में पुरानी सीरीज (बेस ईयर 2011-12) का आंकड़ा (86.05 लाख करोड़) रख दिया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और आर्थिक सलाहकारों ने इसे 'सेब की तुलना संतरों से करना' करार दिया। जब भी सांख्यिकी मंत्रालय आधार वर्ष बदलता है तो वह पुरानी ऐतिहासिक श्रृंखला को नई कार्यप्रणाली और व्यापक डेटा कवरेज के आधार पर पुनः कैलकुलेट करता है। नई 2022-23 सीरीज में केवल कीमतें ही नहीं बदलीं, बल्कि जीएसटी डेटा का व्यापक समावेश, नए कॉर्पोरेट फाइलिंग और डबल डिफ्लेशन जैसे सुधार लागू किए गए। जब पहली तिमाही को नई सीरीज के तहत पुनः मापा गया तो सही नॉमिनल बेस 80.00 लाख करोड़ निकला। नई सीरीज के समान मानकों पर वृद्धि दर की सही सांख्यिकीय तुलना की गई। जब नॉमिनल ग्रोथ 10.3% रही और जीडीपी डिफ्लेटर का प्रभाव हटाया गया तो वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8% ही निकलती है। गर्ग ने 2.6% की जिस दर की बात की वह नॉमिनल वृद्धि दर की गलत तुलना थी। उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसे इस तरह पेश किया जैसे यह देश की वास्तविक विकास दर हो। एक पूर्व वित्त सचिव द्वारा महंगाई-समायोजित रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी के बुनियादी अंतर की उपेक्षा करना बेहद चौंकाने वाला माना गया। एक शीर्ष आईएएस अधिकारी और पूर्व वित्त सचिव के दावे का व्यापक विरोध और उपहास होने के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। जीडीपी पर कथित विवाद सांख्यिकी के अधूरे ज्ञान और भ्रामक मापन पद्धतियों का उपयोग करके एक नैगेटिव नैरेटिव स्थापित करने का मामला है। दो अलग-अलग आधार वर्षों वाली सीरीज के आंकड़ों को मिलाकर 2.6% का आंकड़ा निकालना सांख्यिकीय दृष्टिकोण से पूरी तरह अमान्य था। यही वजह रही कि आर्थिक जगत, सांख्यिकी मंत्रालय और नीति-निर्माताओं ने एक स्वर में उनके दावे को खारिज कर दिया।

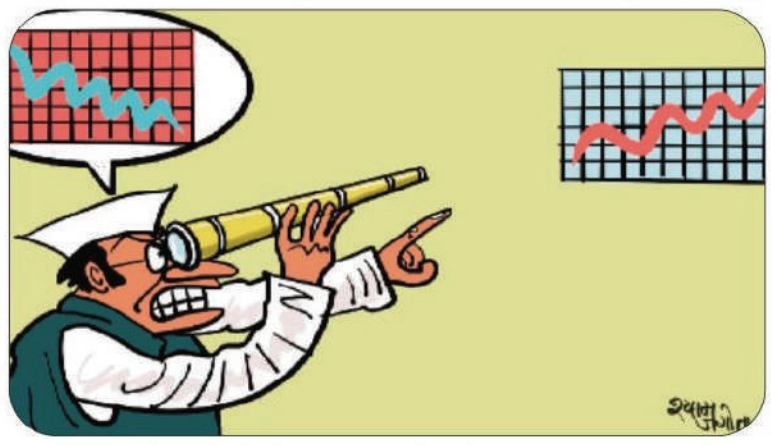

सुभाष गर्ग का यह विश्लेषण गंभीर सांख्यिकीय विसंगति का शिकार माना गया। उन्होंने नई और पुरानी सीरीज का बेमेल मिश्रण कर दिया। सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का पहला नियम यह है कि दो अवधियों के आंकड़ों की तुलना केवल तभी संभव है जब आधार वर्ष, डेटा स्रोत और मापन पद्धति समान हों।

संक्षेप

नियमों का उल्लंघन करने वाले 556 वाहनों का हुआ चालान

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में यातायात व पुलिस विभाग द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 556 वाहनों का चालान किया गया जुमार्ने के तौर पर आठ लाख रुपए से अधिक का ऑनलाइन चालान किया गया। यातायात प्रभारी राम प्रकाश ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बस चार पहिया वाहन तिपहिया दोपहिया वाहनों की गहन जांच की जा रही है। लापरवाही बरतने तथा नियमों को तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान लगातार चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि नियमों का पालन करते हुए वाहनों को चलाएं।

बेलनापारा में धूमधाम से मना जन्माष्टमी महोत्सव, विधायक ने किया पूजन

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। ग्राम बेलनापारा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य महोत्सव एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक आनंद कुमार यादव ने पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन एवं पूजन किया और श्रद्धालुओं को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। आयोजक मंडल एवं ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान सपा जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव, भाजपा नेता एवं जीबी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अरविंद सिंह विशेन, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष संचित सिंह, समाजसेवी डॉ. राजू यादव, कमाल भाई, मंसूर भाई, नीलेंद्र सिंह राणा, डॉ. विनय प्रकाश सिंह, अतीक अहमद समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक गौरव यादव, कमलेश यादव, रामऔतार यादव, छोटे लाल यादव, अनिल यादव समेत आयोजन समिति के सदस्यों ने सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार जताया।

पत्नी तथा छोटे भाई ने युवक को पीटा प्रशासन ने की कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर, जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बे के थाना मोड़ के नजदीक एक युवक को उसके छोटे भाई तथा पत्नी ने जमकर पीटा थाने के नजदीक हुई घटना को देख पुलिस प्रशासन तत्काल मौके पर पहुंचा तथा हिरासत में लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मिली जानकारी के अनुसार थाना मोड़ के नजदीक पेट्रोल पंप के पास कानपुर नगर के सजेती थाना क्षेत्र के गांव असधना निवासी 35 वर्षीय कुलदीप पुत्र उदय राज के साथ पत्नी 28 वर्षीय स्वाती तथा छोटे भाई 30 वर्षीय सोनू पुत्र उदय राज ने जमकर मारपीट कर दी सूचना पाते ही उपनिरीक्षक बिदेश कुमार गिरी मौके पर पहुंचे और तीनों को हिरासत में लेकर वैधानिक कार्रवाई की

भारतीय जीवन बीमा निगम में 37 वर्षों की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुए रमेश चंद्रा

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा बहराइच में प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर कार्यरत रमेश चन्द्रा ने अपनी 37 वर्षों की सेवाएं पूर्ण करके 31 अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त प्राप्त की। लखनऊ निवासी रमेश चन्द्रा बहराइच, नानपारा, भिनगा शाखाओं में विगत 2010 से बीमा धारकों एवं अभिकताओं के बीच बेहतरीन प्रदर्शन रहा ।सेवाभाव, समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर डालमिया धर्मशाला बहराइच में भव्य सम्मान समारोह आयोजित करके भावभीनी विदाई दी गई ।उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों बदायूं, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, श्रावस्ती एवं बहराइच में 37 वर्षों का लम्बा कार्यकाल बिता कर सेवानिवृत्त हुए चन्द्रा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अनुकरणीय प्रयास कर रहे हैं उन्होंने अपने सेवाकाल में लाखों पौधों का पौधरोपण एवं संरक्षण करने का संकल्प पूर्ण किया है ।सितम्बर 1989 में बरेली मण्डल कार्यालय भारतीय जीवन बीमा निगम की सेवाएं आरंभ करके 31 अगस्त 2026 को बहराइच शाखा राजा हीरा सिंह कोठी से सेवानिवृत्त हुए ।नानपारा, कैसरगंज, इकौना, भिनगा शाखाओं एवं बहराइच शाखा में लगभग 3000 अभिकताओं के बीच लोकप्रिय बीमा अधिकारी के रूप में विख्यात श्री चन्द्रा की 2010 में कतर्नियाघाट वन्यजीव संरक्षण के उत्कृष्ट कार्य करने के कारण तत्कालीन केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने नई दिल्ली 2011 में पर्यावरणविद् की उपाधि से विभूषित किया था ।इसके पश्चात नेपाल सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षक सम्मान से पर्यावरण दिवस जून 2023 में नेपाल में सम्मानित किया गया था। इसी क्रम में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इंदौर में पर्यावरण दिवस जून 2026 में पर्यावरण विशेषज्ञ के रूप में सम्मानित किया जा है ।श्री चन्द्रा ने महिला दिवस, आदिवासी दिवस, मानवाधिकार दिवस के अनेकों आयोजनों के साथ ही अनाथ बालिका मनीषा गोंड लौकाही मिहींपुरवा का विवाह 8 मार्च 2018 में सम्पन्न करवाया था ।मुख्यमंत्री द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित पौधरोपण अभियान में रमेश चन्द्रा जी की संस्था पर्यावरण संरक्षण सोसायटी के सैकड़ों कार्यकताओं द्वारा प्रतिवर्ष पौधरोपण किया जाता है जो कि अनुकरणीय पहल है।

पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण, महिला अधिकार जागरूकता, मतदाता जागरूकता, पौधरोपण संबंधित जागरूकता रैली, संगोष्ठी आयोजित करके सामाजिक जागरूकता क्षेत्र में पर्यावरणविद् के रूप में लोकप्रिय श्री चन्द्रा के स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन के लिए मौजूद लोगों ने कामना की ।इस मौके पर बजरंग कुमार मिश्र, चेतराम द्विवेदी, आनन्द अग्रवाल, लायक राम यादव, रशीद खान लौकाही, संजय जायसवाल, सरदार भूपेंद्र सिंह, ज्ञानेंद्र तिवारी, उत्कर्ष साहू, उपेन्द्र भारती, एस के मौर्य, कमलेश मौर्य नैनिहा, भोजराज शर्मा नानपारा, मनोज यादव, मोहम्मद रजा सहित सैकड़ों शुभचिंतकों ने बधाई शुभकामनाएं दी।

साइबर फ्रॉड हुए पैसों को खैरीघाट पुलिस ने करवाया वापस

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। बीते 12 मई 2026 को ओमप्रकाश पुत्र कैलाश नाथ निवासी थाना खैरीघाट जनपद बहराइच द्वारा अपने खाते से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड के माध्यम से 6907 रुपए काट लेने के संबंध में स्थानीय प्रार्थनापत्र दिया था जिसके आधार पर खैरीघाट साइबर टीम द्वारा साइबर ऑनलाइन पोर्टल, थाना स्थानीय की साइबर हेल्प डेक्स टीम द्वारा संबंधित बैंक को तत्काल ई-मेल किया गया तथा संबंधित बैंक के नोडल अधिकारी से वार्ता करके प्रार्थी का पैसा होल्ड कराया गया, वहीं पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा साइबर अपराध के संबंध में दिए गए दिशा निदेशों के क्रम में नोडल अधिकारी साइबर क्राइम, सीओ महसी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक खैरीघाट प्रदीप कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना स्थानीय पर गठित साइबर टीम द्वारा पीड़ित के खाते से साइबर फ्रॉड करके काटी गई कुल 6907 रुपए की संपूर्ण धनराशि 05- 09- 2026 शनिवार को दिलाया गया, जिस पर पीड़ित ने खैरीघाट पुलिस का काफी आभार प्रकट किया है।

स्थानांतरण पर चौकी प्रभारी शिवेश शुक्ला को दी गई भावभीनी विदाई

पत्रकारों व समाजसेवियों ने फूलमालाओं से किया सम्मान, नम आंखों से दी विदाई

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। थाना रुपईडीहा क्षेत्र अंतर्गत पुलिस चौकी बाबागंज के पूर्व चौकी प्रभारी शिवेश शुक्ला के स्थानांतरण पर स्थानीय पत्रकारों, समाजसेवियों एवं क्षेत्रीय लोगों द्वारा कोतवाली रूपईडीहा अंतर्गत बाबागंज पुलिस चौकी परिसर में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उपस्थित लोगों ने स्थानांतरित चौकी प्रभारी शिवेश शुक्ला को फूलमालाओं से सम्मानित कर उनके कार्यकाल की सराहना की। लोगों ने कहा कि श्री शुक्ला ने अपने कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में पुलिस एवं आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया तथा लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर स्थानीय पत्रकारों एवं समाजसेवियों ने उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह के दौरान माहौल भावुक हो गया। उपस्थित लोगों ने नम आंखों से श्री शिवेश शुक्ला को विदाई दी और उनके नए कार्यस्थल पर भी सफल एवं बेहतर कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार व अध्यक्ष आदर्श समाज सेवा समिति संतोष मिश्रा, पत्रकार रूद्रप्रताप मिश्रा, मो अकील, राजकुमार शर्मा, विनोद गिरि, शाहिद हुसैन सहित रामदीन गौतम, अरुणेश कुमार सिंह, हरीश वर्मा, संजय गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव: डॉ. आर.के. चौधरी

शिक्षक दिवस पर मदनी इंटर कॉलेज में शिक्षक एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों का हुआ सम्मान

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। शिक्षक दिवस के अवसर पर मदनी इंटर कॉलेज कैसरगंज, बहराइच में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में शिक्षकों के समाज में महत्व, शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भूमिका तथा शिक्षक सम्मान की आवश्यकता पर वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. चौधरी, वरिष्ठ फिजीशियन ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने का कार्य नहीं करता, बल्कि वह उनके व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य को दिशा देने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाता है। शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं। एक अच्छे शिक्षक का प्रभाव विद्यार्थी के जीवन पर लंबे समय तक रहता है, इसलिए शिक्षकों का सम्मान करना पूरे समाज का दायित्व है ।समारोह की अध्यक्षता करते हुए हाजी रईस अहमद कासमी, प्रबंधक मदनी इंटर कॉलेज ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र की भावी पीढ़ी को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक का सम्मान वास्तव में ज्ञान, शिक्षा और संस्कार का सम्मान है। विद्यालय परिवार द्वारा शिक्षकों के सम्मान की यह पहल सराहनीय है ।कार्यक्रम के आयोजक एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अरशद रईस ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत होते हैं। विद्यालय का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, संस्कारवान और बेहतर नागरिक बनाना भी है। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं ।समारोह का संचालन विद्यालय के प्रवक्ता रियाजुर्रहमान मलिक ने किया। इस अवसर पर मौलाना मसीहुद्दीन, अतीक अहमद, मुशीर अहमद, डॉ. असद रईस, हिटलर वर्मा, फसीह अहमद, मोनिस अहमद, अंकित मिश्रा, सुधांशु सिंह, अनीस अहमद, साहिल सर, सुश्री दरख्शा, रजनीश कुमार पाठक, इसरार अहमद, अबुतालिब एवं सद्दाम हुसैन सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे ।अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

वन विभाग की टीम को मिली बड़ी सफलता

जुगराजपुरवा में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर/बहराइच। जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र एवं नानपारा वन रेंज अंतर्गत रामपुर धोबियाहार क्षेत्र के जुगराजपुरवा गांव में रविवार सुबह वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक, तेंदुआ पिछले कई दिनों से गांव के आसपास दिखाई दे रहा था, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ था। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर लोग चिंतित थे। रात के समय ग्रामीण घरों से बाहर निकलने से भी डर रहे थे। तेंदुए की लगातार मिल रही मौजूदगी की सूचना के बाद नानपारा वन रेंज की टीम निगरानी में जुटी थी। ग्रामीणों की मांग और सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए जुगराजपुरवा के आसपास पिंजरा लगाया था। रविवार की सुबह तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को सुरक्षित कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और पिछले कई दिनों से बना भय काफी कम हुआ है।

शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव: डॉ. आर.के. चौधरी

अमन लेखनी लेखनी समाचार

शिक्षक दिवस पर मदनी इंटर कॉलेज में शिक्षक एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों का हुआ सम्मान

कैसरगंज, बहराइच। शिक्षक दिवस के अवसर पर मदनी इंटर कॉलेज कैसरगंज, बहराइच में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में शिक्षकों के समाज में महत्व, शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भूमिका तथा शिक्षक सम्मान की आवश्यकता पर वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. चौधरी, वरिष्ठ फिजीशियन ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने का कार्य नहीं करता, बल्कि वह उनके व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य को दिशा देने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाता है। शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं। एक अच्छे शिक्षक का प्रभाव विद्यार्थी के जीवन पर लंबे समय तक रहता है, इसलिए शिक्षकों का सम्मान करना पूरे समाज का दायित्व है ।समारोह की अध्यक्षता करते हुए हाजी रईस अहमद कासमी, प्रबंधक मदनी इंटर कॉलेज ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र की भावी पीढ़ी को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक का सम्मान वास्तव में ज्ञान, शिक्षा और संस्कार का सम्मान है। विद्यालय परिवार द्वारा शिक्षकों के सम्मान की यह पहल सराहनीय है ।कार्यक्रम के आयोजक एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अरशद रईस ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत होते हैं। विद्यालय का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, संस्कारवान और बेहतर नागरिक बनाना भी है। उन्होंने सभी शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं ।समारोह का संचालन विद्यालय के प्रवक्ता रियाजुर्रहमान मलिक ने किया। इस अवसर पर मौलाना मसीहुद्दीन, अतीक अहमद, मुशीर अहमद, डॉ. असद रईस, हिटलर वर्मा, फसीह अहमद, मोनिस अहमद, अंकित मिश्रा, सुधांशु सिंह, अनीस अहमद, साहिल सर, सुश्री दरख्शा, रजनीश कुमार पाठक, इसरार अहमद, अबुतालिब एवं सद्दाम हुसैन सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

बुढ़वा के श्री राधा कृष्ण मेला की तैयारियों की बनी रूपरेखा

तालाब पर हुई चर्चा कार्यकताओं को मिली जिम्मेदारी

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत लगभग 150 वर्ष पुराने ऐतिहासिक मेले की तैयारी को लेकर गांव के ब्रह्मदेव आश्रम परिसर में बैठक संपन्न हुई बैठक की अगवाई बिमलेश त्रिवेदी तथा अध्यक्षता ग्राम प्रधान सनोज कुमार द्वारा की गई बैठक अंतर्गत पहुंचे ग्रामीणों ने पूर्व काल में श्री राधा कृष्ण मेले से जुड़े तालाब की स्थितियों के बारे में बृहद चर्चा की बैठक में मौजूद ग्रामीण अंबरीश मिश्रा विराट शुक्ला आदि लोगों ने सुखई तालाब के सौंदर्यीकरण लिए प्रस्तावित होने के बाद भी कार्य न होने की जानकारी लेनी चाही जहां उन्होंने बताया की तालाब के लिए 9 लाख रुपए का बजट पास हुआ था परंतु कार्य नहीं कराया गया वहीं ग्राम प्रधान सरोज कुमार ने संतुष्ट जनक उत्तर देते हुए बताया कि बजट मनरेगा के अंतर्गत पास हुआ था कार्यकाल का अंतिम समय था काम होने के बाद मनरेगा की मजदूरी आने में समय लगता है यदि नहीं आती तो मजदूर भी परेशान होता और स्वयं कार्य कराने वाला भी परेशान हो जाता इसी कारण यह कार्य अभी रोक दिया गया है चुनाव के पश्चात यह कार्य संपन्न कराया जाएगा वहीं मौजूदा लोगों ने गांव के निकलने वाले सभी मार्गों में जानवर बांधने वालों की भी चर्चा की जहां जिम्मेदार लोगों ने बताया कि जल्द ही इस पर रोक लगाई जाएगी गांव के अंदर के सभी मार्ग साफ एवं सुसज्जित रहेंगे वहीं मौजूदा लोगों ने गांव के अंदर के सभी तालाबों में मछली पालन करने वालों का विरोध किया गांव की चचाओं के साथ-साथ श्री राधा कृष्ण मेले की जिम्मेदारियां बांटी गई जहां मेले की संपूर्ण व्यवस्था चंदन सचान को पूर्वकाल की तरह सौंपी गई वहीं व्यवस्थापक चंदन सचान के नेतृत्व में अखाड़े की व्यवस्था विराट शुक्ला सवारी निकासी की व्यवस्था गौरव मिश्रा मनु पाण्डेय विकास सचान शिवम मिश्रा आदि को दी गई ठीक इसी प्रकार सभी राक्षसों की साज सज्जा की जिम्मेदारी सियाराम उर्फ बरसाती को दी गई तथा मेले समेत तालाब में होने वाली लीला की संपूर्ण जिम्मेदारियां अमरीश मिश्रा को सौपी गई ग्राम प्रधान सनोज कुमार ने कहा कि तालाब के चारों ओर 50 - 50 मीटर साफ सफाई कराई जाएगी तथा तालाब में होने वाली नागनाथन लीला सुखई तालाब में ही संपन्न कराई जाएगी इस मौके पर ग्रामीण वयोवृद्ध जगमोहन लाल मिश्र जगदीश नारायण पाण्डेय प्रमोद सचान श्याम किशोर शुक्ला रविकांत सचान प्रशांत अवस्थी एडवोकेट राकेश शुक्ला संजीव अवस्थी सुघर सिंह राजीव अवस्थी नरेंद्र बाजपेई भगत कुटार सरशचंद्र सचान समेत सभी जिम्मेदारियां को संभालने वाले कार्यकर्ता मौजूद रहे

कंचन कान्वेंट स्कूल में शिक्षकों को किया गया सम्मानित

शिक्षक हैं राष्ट्र के भाग्य विधाता: एम. श्रीवास्तव

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। स्थानीय कंचन कान्वेंट स्कूल में एक शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे शिक्षकों को प्रतीक चिन्ह व उपहार देकर उन्हे सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधक एम0 श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के भाग्य विधाता हैं, उसका स्थान समाज में सर्वोच्च है ।को-डायरेक्टर संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि मां के बाद शिक्षक ही वह मार्गदर्शक हैं जो बच्चों को सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं ।डिप्टी डायरेक्टर इंजीनियर अगम स्वरूप श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु बालक की बुद्धि का सृजनकर्ता होता है। ह्लजो बीज शिक्षक बोता है, वही आगे चलकर छात्र के व्यक्तित्व और भविष्य का रूप निर्धारित करता है। विद्यालय परिवार ने सभी सम्मानित शिक्षकों व आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मान समारोह मे अमित श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक के0के0 मौर्या, एस के सिंह, पंकज शुक्ला, रंजीत सिंह, प्रदीप श्रीवास्तव, अबरार अहमद, विजय मिश्रा, पवन सिंह, नसीब अहमद, अभिषेक सिंह, मालती सिंह, प्रीति, सुधा सिंह, ज्योति सिंह, उर्फी शेख, क्षमा सिंह, उम्मे रूबी, प्रियंका गुप्ता, रामजी मिश्रा, रमाकांत त्रिपाठी, कमलेश्वर यादव, रूबी मौर्य, उर्फी शेख, श्रयांशी मिश्रा, कंचन गुप्ता, प्रज्ञा पाण्डे, पूनम यादव, दिव्यांशी सिंह , प्रियंका गुप्ता, प्रज्ञा पाण्डेय, आरती गुप्ता आदि को सम्मानित किया गया।

20 वर्षों से कोटेदार के रूप में सेवाएं दे रहे अजीजुर्रहमान उर्फ जावेद का निधन, रुपईडीहा में शोक

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। नगर पंचायत रुपईडीहा में करीब दो दशकों से लगातार कोटेदार के पद पर कार्यरत अजीजुर्रहमान सिद्दीकी उर्फ जावेद के असमय निधन से रुपईडीहा नगर पंचायत सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंचने लगे और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम अजीजुर्रहमान उर्फ जावेद अपनी पत्नी के साथ मटेरा के निकट से रुपईडीहा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि जावेद को काफी चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल उपचार के लिए नानपारा ले जाया गया। नानपारा में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए बहराइच रेफर कर दिया। बहराइच में भी हालत में अपेक्षित सुधार न होने पर चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर लखनऊ जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी हालत बिगड़ गई और बताया जाता है कि उन्होंने दम तोड़ दिया। जावेद के निधन की खबर जैसे ही रुपईडीहा पहुंची, पूरे क्षेत्र में मातम छा गया। उनके परिचितों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंचकर परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते रहे। लोगों ने उनके साथ बिताए समय को याद करते हुए उनके मिलनसार और सहयोगी व्यवहार का उल्लेख किया। बताया जाता है कि अजीजुर्रहमान उर्फ जावेद करीब 20 वर्षों से कोटेदार के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। लंबे समय तक राशन वितरण व्यवस्था से जुड़े रहने के कारण नगर एवं आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते थे। उनके अचानक निधन से लोगों में गहरा दुख है। रविवार को उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, परिचित, रिश्तेदार और शुभचिंतक शामिल हुए। गमगीन माहौल में उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। बताया गया कि मृतक अपने पीछे पत्नी और एक बहन को छोड़ गए हैं। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। क्षेत्र के लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि अजीजुर्रहमान उर्फ जावेद का असमय निधन क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके अचानक चले जाने से लंबे समय तक उनकी कमी महसूस की जाएगी।

मेरठ ने लखनऊ को दिया 204 रन का लक्ष्य

दिव्यांश जोशी का तूफानी शतक, मेरठ मावेरिक्स ने फाइनल में लखनऊ को दी 204 रन बनाने की चुनौती

खेल संवाददाता

लखनऊ। दिव्यांश जोशी (105) के तूफानी शतक की बदौलत मेरठ मावेरिक्स ने यूपी टी-20 लीग सीजन-4 पावर्ड बाई बिमल इलाईची और एनसीएस के ग्रैंड फिनाले में लखनऊ फाल्कन्स के सामने 204 रन का लक्ष्य रखा। दिव्यांश ने 40 गेंदों पर 12 चौके व सात छक्के से 105 रन की पारी खेली। उन्होंने 37 गेंदों में शतक पूरा कर यूपी टी-20 लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को फाइनल मुकाबले की शुरूआत भी शानदार अंदाज में हुई। मेरठ मावेरिक्स और लखनऊ फाल्कन्स के कप्तानों और खिलाड़ियों ने म्यूजिक की धुन के बीच आतिशबाजी के बीच मैदान में एंट्री की। मैच की औपचारिक शुरूआत बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने टॉस कराकर और पारंपरिक अंदाज में घंटा बजाकर की। इसके बाद मेरठ के कप्तान रिंकू सिंह ने टॉस जीतकर

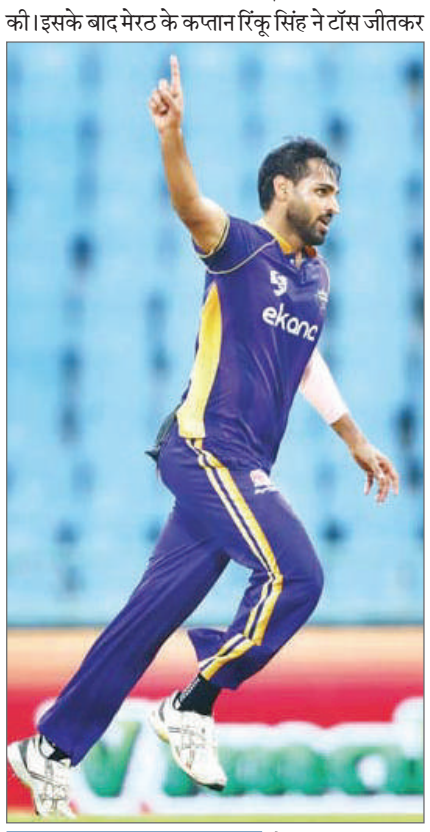

पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। स्वास्तिक चिकारा और दिव्यांश जोशी ने पहले विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी कर टीम को तेज शुरूआत दी। लखनऊ को पहली सफलता पांचवें ओवर में आईपीएल स्टार विप्रज निगम ने दिलाई। उन्होंने ओवर की तीसरी गेंद पर स्वास्तिक चिकारा को आउट करते हुए इस साझेदारी का अंत किया। स्वास्तिक ने 14 गेंदों पर तीन चौके की सहायता से 18 रन बनाए। दूसरे छोर पर दिव्यांश जोशी का बल्ला लगातार गरजता रहा।

उन्होंने छठें ओवर की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर महज 18 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। इस दौरान दिव्यांश ने 6 चौके व चार छक्के लगाए। उनके इस अर्धशतक के साथ ही उन्होंने सीजन-4 का सबसे तेज अर्धशतक भी अपने नाम कर लिया। मेरठ ने पावरप्ले के छह ओवर में एक विकेट पर 53 रन बनाए। इसके बाद रितुराज शर्मा ने दिव्यांश का साथ दिया और दोनों ने स्कोर को 100 के पार पहुंचाया।

मेरठ का दूसरा विकेट नौवें ओवर में 103 रन के कुल स्कोर पर गिरा। रितुराज 17 गेंदों पर तीन चौके व एक छक्के से 24 रन बनाकर अजीत वर्मा की गेंद पर विप्रज निगम को कैच थमा बैठे। अक्षय दुबे 15 रन बनाकर 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर अभिनंदन सिंह की गेंद पर अजीत वर्मा को कैच थमा बैठे। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर अभिनंदन ने मेरठ के कप्तान रिंकू सिंह (1) को पवेलियन वापस भेज दिया। रिंकू प्रियम गर्ग को कैच दे बैठे।। उस समय टीम का स्कोर 4 विकेट पर 160 रन था। इसी बीच दिव्यांश ने 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर मात्र 37 गेंदों की पारी में 11 चौके व 7 छक्के लगाते हुए 100 रन बनाए। यह यूपी टी-20 लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा। दिव्यांश शतक पूरा करने के बाद 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर 105 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर हो गए। उन्होंने 40 गेंदों की अपनी पारी में 12 चौके व सात छक्के भी लगाए। इस पारी के साथ दिव्यांश ने यूपी टी-20 लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक अपने नाम कर लिया। साथ ही वह लीग के फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए।

इसके बाद दिव्यांश राजपूत (13) को 18वें ओवर में अभिनंदन सिंह ने प्रियम गर्ग के हाथों कैच कराकर मेरठ को पांचवां झटका दिया। अगले ही ओवर में दिव्यांश जोशी मैदान में लौटे लेकिन वह दूसरी ही गेंद पर भुवनेश्वर का शिकार हो गए। मेरठ की पारी का अंत अंतिम ओवर की आखिरी गेंद पर हुआ जब जीशान अंसारी (3) को विकेटकीपर आराध्य यादव ने रन आउट किया। मेरठ मावेरिक्स का यह यूपी टी-20 लीग में लगातार चौथा फाइनल है। टीम ने इस उपलब्धि के साथ राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली लीगों के इतिहास में लगातार चार फाइनल खेलने वाली पहली टीम बनने का दावा भी मजबूत किया है। दूसरी ओर लखनऊ फाल्कन्स पहली बार यूपी टी-20 लीग के फाइनल में उतरी है।

हम साथ मिलकर योजना बनाते हैं: पाकिस्तान को सस्ते में समेटने की रणनीति पर बोलीं श्री चरणी

दुबई। पाकिस्तान के खिलाफ महिला एशिया कप टी20 में अपनी धारदार गेंदबाजी से भारत की एकतरफा जीत की नींव रखने वाली बायें हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने कहा कि टीम की स्पिनर मैच से पहले साथ बैठकर रणनीति बनाती हैं और मैदान पर उसके प्रभावी तरीके से लागू करने पर जोर देती हैं। श्री चरणी (सात रन पर तीन विकेट), प्रेमा रावत (नौ रन पर तीन विकेट), दीप्ति शर्मा (पांच रन पर दो विकेट) और शेफाली वर्मा (10 रन पर एक विकेट) ने शनिवार को यहां पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी और उसे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अपने अब तक के सबसे कम स्कोर 55 रन पर समेट दिया। भारत ने इसके बाद 68 गेंद शेष रहते सात विकेट से आसान जीत दर्ज की। भारत पहले ही ग्रुप ए से सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुका था। टीम तीनों मैच जीतकर टीम छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रही। चरणी ने कहा, टीम की बैठक में हम सब साथ बैठते हैं। प्रेमा, मैं, दीप्ति दीदी और राधा (यादव) दीदी। हम चर्चा करते हैं कि मैच में क्या करना है। इसलिए दीप्ति और राधा दी जो कहती हैं, हम मैदान पर उसे लागू करने की कोशिश करते हैं। चरणी ने पाकिस्तान के शीर्ष क्रम पर कहर बरपाते हुए शवाल जुल्फिकार, गुल फिरोजा और आयशा जफर को पवेलियन भेजा। इससे पहले शेफाली ने मुनीबा अली को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई थी। पाकिस्तान ने चार ओवर में बिना किसी नुकसान के 27 रन बनाकर तेज शुरुआत की थी लेकिन छठे ओवर में चरणी के दो विकेटों ने उसका स्कोर तीन विकेट पर 29 रन कर दिया। इसके बाद टीम इन झटकों से उबर नहीं सकी। चरणी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 50 विकेट पूरे करने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। इस 22 साल की गेंदबाज ने अपनी सफलता का श्रेय चीजों को सरल रखने और बुनियादी बातों पर ध्यान देने को दिया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ खुद पर ध्यान देने की बात है।

झेंग की यूएस ओपन में वापसी नाओमी ओसाका भी चौथे दौर में

न्यूयॉर्क। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग चिनवेन ने शनिवार को शानदार वापसी करते हुए लगातार आखिरी सात गेम जीतकर 22वीं वरीयता प्राप्त कीज को 1-6, 7-6 (3), 7-5 से हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। इस जीत के बाद झेंग कोर्ट पर पीठ के बल लेटी थीं और उनके हाथ हवा में थे। वह ऐसी जीत का जश्न मना रही थीं, जिसकी उम्मीद शायद सिर्फ उन्हें ही थी। दूसरी ओर कीज आंसुओं को रोकने की कोशिश करते हुए बता रही थीं कि आखिर कैसे झेंग लगभग मैच से बाहर होने के बावजूद जीत हासिल करने में सफल रहीं। कीज ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने निश्चित रूप से बहुत अच्छी शुरुआत की थी और फिर मैं बहुत डर गई मैं शॉट ही नहीं लगा पा रही थी।

मुझे नहीं पता। इस समय टेनिस बहुत मुश्किल लग रहा है और मुझे लगता है कि मैं उसी दबाव में आ गई। साल 2017 की उपविजेता कीज ने दूसरे सेट का टाईब्रेक हारने के बाद जोरदार वापसी करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली। झेंग ने एक गेम जीता लेकिन 5-1 पर सर्विस करते समय कीज के पास मैच प्वाइंट था। वह इसे भुना नहीं सकीं और यहीं से मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल गया। एक समय निराशा में कीज अपना रैकेट बार-बार सिर पर मारते दिखी। झेंग ने कहा, मेहनत का फल मिलता है। अब उनका सामना 2022 की यूएस ओपन चैंपियन इगा स्वियातेक से होगा। नाओमी ओसाका ने भी एलिस मर्टेंस को 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर चौथे दौर में जगह बना ली। दो घंटे 38 मिनट चले मुकाबले के अंतिम अंक के बाद दो बार की चैंपियन ओसाका ने अपना सिर रैकेट पर रख लिया, मानो इस 13वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को खुद भी अपनी जीत पर यकीन नहीं हो रहा हो। ओसाका ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने यह मैच जीत लिया। मैं सचमुच हैरान हूं कि मैं जीत गई। ओसाका की वापसी झेंग जितनी मुश्किल तो नहीं थी, लेकिन वह निर्णायक सेट में 2-4 से पीछे थीं। उन्होंने कठिन मुकाबले के दौरान अपनी झुंझलाहट जाहिर करने के लिए माफी भी मांगी। पुरुषों में नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फिट्ज हालांकि उलटफेर का शिकार होने से नहीं बच पाये। फिट्ज ने दो सेट की बढ़त गंवा दी और 24वीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हार गए।

फिट्ज ने कहा, मुझे नहीं पता कि आज मैंने ऐसा कैसे होने दिया। यूएस ओपन की पूर्व उपविजेता अमांडा अनिसिमोवा भी बाहर हो गईं। 10वीं वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा को 24वीं वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा ने 6-2, 7-5 से हराया। पोटापोवा का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त और फ्रेंच ओपन चैंपियन मिएरा आंद्रीवा से होगा। फ्रेंच ओपन के उपविजेता और पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्लावियो कोबोली को 28वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ब्लॉक्स ने चार सेट में हराया। इसके साथ ही पुरुष एकल ड्रॉ में शीर्ष 10 में से छह वरीय खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं। यूएस ओपन की पूर्व चैंपियन (2023) अमेरिका की कोको गॉफ ने किस्टीना बुका को 6-3, 6-4 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। अगले दौर में उनका सामना हमवतन 14वीं वरीयता प्राप्त इवा जोविच से होगा।

संक्षेप

मानसी इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रहीं

जकार्ता। युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मानसी सिंह को रविवार को यहां महिला एकल फाइनल में चीन की शू वेन जिंग से हारने के बाद इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। उत्तर प्रदेश की 21 वर्षीय मानसी को विश्व की 81वें नंबर की चीन की खिलाड़ी के खिलाफ 16-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 76वें स्थान पर काबिज इस भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में कनाडा की रेशेल चान को हराया था जबकि शू ने तीसरी वरीय प्राप्त भारत की अनमोल खरब को मात दी थी।

यूएस ओपन में युकी भांबरी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर हारे

न्यूयॉर्क। भारत के युकी भांबरी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर को यहां यूएस ओपन के पुरुष युगल के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही दोनों खिलाड़ियों का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। भांबरी और उनके न्यूजीलैंड के जोड़ीदार माइकल वीनस को रयान सेगमैन और पैट्रिक ट्रहाक की अमेरिका की जोड़ी ने कड़े मुकाबले में 7-6 (4), 7-6 (3) से शिकस्त दी। यह हार भांबरी और वीनस के लिए निराशाजनक रही, क्योंकि दोनों ने पिछले साल यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

भारतीय फुटबॉल में इस साल आयेगा बड़ा बदलाव

मुंबई। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के मालिक जॉन अब्राहम को उम्मीद है कि 10 अक्टूबर से शुरू होने वाला आगामी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र भारतीय फुटबॉल के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगा। यह पहली बार देश की घरेलू फुटबॉल व्यवस्था में क्लबों के नेतृत्व वाली नयी संरचना की ओर बदलाव का संकेत देगा। आईएसएल का 2026-27 सत्र अगले साल मई तक चलेगा जो अपने पारंपरिक होम-अवे (अपने मैदान और प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान) प्रारूप में लौटेगा। इसमें आठ महीने के दौरान कुल 163 मुकाबले खेले जाएंगे। पिछले सत्र में प्रशासनिक और व्यावसायिक अनिश्चितताओं के कारण देरी हुई थी।

चीन मास्टर्स की खिताबी जीत से बढ़ा आत्मविश्वास : सात्विक- चिराग

एजेंसी

शेनझेन (चीन)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का कहना है कि कोर्ट पर सोची-समझी आक्रामकता बनाए रखने से उन्हें चीन मास्टर्स का खिताब जीतने में मदद मिली और इस जीत ने आगामी एशियाई खेलों से पहले उनका मनोबल काफी बढ़ाया है। भारतीय जोड़ी ने रविवार को यहां शानदार वापसी करते हुए चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यु को 11-21, 21-13, 21-17 से हराकर अपने तीसरे प्रयास में 12,50,000 डॉलर इनामी चीन मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट का खिताब जीता।

यह 2026 सत्र का उनका दूसरा और इस प्रतियोगिता का पहला खिताब है। सात्विक ने मैच के बाद कहा, यहां खेलना हमेशा अच्छा रहता है। चोट से वापसी करने के बाद हमने हमेशा यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद हम यहां खेले और सेमीफाइनल में पहुंचे। पिछले साल जब हम यहां खेले तब हम पूरी तरह फिट नहीं थे, फिर भी हम फाइनल तक पहुंचे। उन्होंने कहा, इस बार भी चोट से उबरने के बाद इस टूर्नामेंट ने हमें काफी आत्मविश्वास दिया है। इस हफ्ते की कहानी भी वैसी ही रही। पहले दौर को छोड़कर हमारे सभी मुकाबले तीन गेम तक खिंचे। फाइनल के बारे में सात्विक ने कहा, आज हमने धैर्य बनाए रखा और आखिरी पलों में आसान गलतियां नहीं कीं। मैच का यह सबसे सकारात्मक पहलू रहा।

हम बस अपनी रणनीति पर टिके रहे। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट में आने से पहले हमने जो योजना बनाई थी हम उसी पर अमल करना चाहते थे। अगर यह काम करता है तो अच्छा है नहीं तो हम वापस जाकर फिर से मेहनत करेंगे। मुझे लगता है कि इस रणनीति ने आज काम किया और हम बेहद खुश हैं। हम इस गतिरोध को तोड़ने और साल 2026 का अपना दूसरा खिताब जीतकर बेहद खुश हैं। यह खिताबी जीत एशियाई खेलों में इस जोड़ी के अभियान की शुरुआत से कुछ हफ्ते पहले आई है।

मार्टिनेज के गोल से इंटर मिलान की जीत

एजेंसी

लंदन। लौटारो मार्टिनेज ने आखिरी क्षणों में अपना दूसरा गोल दागकर इंटर मिलान को शनिवार को इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सीरी ए में नेपोली पर 3-2 की रोमांचक जीत दिलाई, तो वहीं एर्लिंग हालैंड के गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में कोवेंट्री को 1-0 से हराकर तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। इंटर मिलान की तरह सीरी ए के एक और रोमांचक मुकाबले में रोमा ने आखिरी मिनटों में दो गोल कर तीन मैचों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। इंटर मिलान के खिलाफ माटेओ पोलितानो और रासमुस होयलुंड ने 50वें और 53वें मिनट में गोल कर गत चैंपियन नेपोली को 2-0 की बढ़त दिलाई।

इसके तीन मिनट बाद मार्टिनेज ने गोल कर इंटर की वापसी की शुरुआत की। मार्कस थुराम ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया। आखिरी पलों में मैनुअल अकांजी के प्रयास से गेंद मार्टिनेज तक पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर इंटर को जीत दिला दी। अटलांटा के खिलाफ मटियास सौले ने आखिरी समय में गोल और गोल में मदद कर रोमा को 2-। से जीत दिलाई। उन्होंने 90वें मिनट में मारियो हर्मोसो के गोल में मदद की, जिससे एडरसन के शुरुआती गोल की बराबरी हुई। इसके तीन मिनट बाद सौले ने खुद गोल कर रोमा को जीत दिला दी। लीग के एक अन्य मैच में टोरिनो ने फियोरेंटीना को उसके घरेलू मैदान पर 2-1 से हराया। हालैंड ने सत्र का अपना तीसरा गोल किया और मैनचेस्टर सिटी ने कोवेंट्री को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। सिटी के तीन मैचों में नौ अंक हैं। पदोन्नत टीम हल सिटी सात अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और अब तक अपराजित है। उसने एस्टन विला के खिलाफ

मैनचेस्टर सिटी की जीत में चमके हालैंड

0-0 से ड्रॉ खेला। टॉटेनहम ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलकर सत्र का अपना पहला अंक हासिल किया। जैकब रैमसे के मैच के आखिरी चरण में किए गए गोल की मदद से न्यूकैसल ने बोर्नमाउथ के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर अपना अजेय अभियान जारी रखा। क्रिस्टल पैलेस ने फुलहम के खिलाफ दो बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्रेवेन कॉटिज में 3-2 से सत्र की पहली जीत दर्ज की। ब्रेंटफोर्ड और सुंदरलैंड का मुकाबला भी 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। जमाल मुसियाला ने शाल्के के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में इस सत्र में पहली बार बुंडेसलीगा (जर्मनी की शीर्ष लीग) में कदम रखा। बायर्न के इस मिडफील्डर को सत्र पूर्व न्यूरोलॉजिकल समस्या के कारण दो मैचों से बाहर रहना पड़ा था। फरवरी 2025 के बाद यह पहली बार था, जब बायर्न जर्मन लीग के किसी मुकाबले में गोल नहीं कर सका।

शाल्के के गोलकीपर लोरिस कारियस के शानदार प्रदर्शन ने टीम को 2017 के बाद बायर्न के खिलाफ पहला अंक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। छोटे से कस्बे के क्लब एलवर्सबर्ग ने अपने पहले बुंडेसलीगा सत्र की शानदार शुरुआत जारी रखते हुए बोरुसिया मोएनशेंग्लाडबाक को 4-3 से हराया। उसने आखिरी क्षणों में निर्णायक गोल दागकर यह जीत हासिल की। करीब 13,000 की आबादी वाले इस कस्बे के क्लब ने पिछले सप्ताह बायर लीवरकुसेन को हराने के बाद एक और पूर्व चैंपियन के खिलाफ उलटफेर किया। बोरुसिया डॉर्टमुंड ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हॉफेनहाइम को 3-2 से हराया। हॉफेनहाइम के डिफेंडर अल्बियन हाजदारी ने 86वें मिनट में आत्मघाती गोल कर डॉर्टमुंड की जीत सुनिश्चित की। लीपजिग को वेर्डर ब्रेमेन के हाथों 1-3 से हार मिली।

मेस्सी की मदद से इंटर मियामी ने अटलांटा को बराबरी पर रोका

मियामी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद भी अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने मैदान पर अपना प्रभाव छोड़ने का सिलसिला जारी रखा है। मेस्सी ने शनिवार रात इंटर मियामी के लिए दो गोल में मदद की लेकिन उनकी टीम अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ पर रोक दी गई। अर्जेंटीना के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद यह मेस्सी का पहला मुकाबला था। इंटर मियामी की ओर से लुइस सुआरेज और कासेमिरो ने गोल किए। टीम ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में दूसरे स्थान पर है और शीर्ष पर मौजूद नैशविले से 10 अंक पीछे है। नियमित सत्र में उसके 11 मुकाबले बाकी हैं। कासेमिरो ने 32वें मिनट में मेस्सी की कॉर्नर किक पर हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद मिगुएल अल्मिरोन ने अटलांटा की ओर से बराबरी का गोल कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने तेलास्को सेगोविया की ओर शानदार लॉफ्टेड पास खेला। सेगोविया ने गेंद सुआरेज की ओर बढ़ाई और उरुग्वे के स्टार ने मध्यांतर से ठीक पहले दाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर इस सत्र का अपना 12वां गोल दाग दिया।

दलीप ट्रॉफी : पूर्व क्षेत्र के चार विकेट पर 385 रन

एजेंसी

चेन्नई। कप्तान इशान किशन की नाबाद 111 रन की शतकीय पारी के दम पर पूर्व क्षेत्र ने रविवार को यहां दलीप ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन दक्षिण क्षेत्र के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पहली पारी में चार विकेट पर 385 रन बनाकर बड़े स्कोर की नींव रखी। दिन का खेल खत्म होने पर किशन और कुमार कुशाग्र (नाबाद 63) क्रीज पर मौजूद थे।

दोनों पांचवें विकेट के लिए 26.4 ओवर में 144 रन की अटूट साझेदारी कर चुके हैं। किशन ने अपनी पारी में 135 गेंद का सामना करते हुए 14 चौके और एक छक्का जड़ा। पूर्व क्षेत्र के लिए युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी (44), अभिमन्यु ईश्वरन (72) और शिखर मोहन (85) ने भी उपयोगी योगदान दिया। मैच के दौरान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 4000 रन पूरे करने वाले किशन ने अपनी पारी में आक्रामकता और संयम का बेहतरीन नमूना पेश किया। उन्होंने मोहन के साथ भी चौथे विकेट के लिए 94 रन जोड़े। दोनों उस समय क्रीज पर साथ आए जब पूर्व क्षेत्र की टीम 147 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। दक्षिण क्षेत्र के पास इस समय वापसी करने का मौका था लेकिन किशन और मोहन ने बल्लेबाजों के अनुकूल पिच पर विरोधी गेंदबाजों को निराश किया। किशन ने मैदान के चारों ओर शॉट लगाए जिसमें उनके दमदार पुल और बेहतरीन कवर ड्राइव शामिल थे।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 71 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और फिर अगली 50 गेंद में अपना 10वां प्रथम श्रेणी शतक पूरा कर लिया। उन्होंने अपना 100वां प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे श्रेयस गोपाल की गेंद पर चौका जड़कर यह मुकाम हासिल किया। दूसरे छोर पर 21 वर्षीय मोहन ने अपनी उम्र से कहीं अधिक परिपक्वता दिखाई।

उनकी पारी की सबसे खास बात ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों को छोड़ने का उनका शानदार निर्णय रहा। पूरी पारी के दौरान गेंदबाज एक बार भी उन्हें चकमा नहीं दे पाए। मोहन ने अपनी पारी में रक्षात्मक खेल के साथ-साथ आक्रामक रुख भी अपनाया और ऑफ स्पिनर त्रिपुराना विजय के एक ही ओवर में एक छक्का और दो चौके जड़े। मोहन जब शतक के करीब थे तब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सीवी मिलिंद की गेंद को विकेटें पर खेल बैठे। इससे पहले ईश्वरन आज पूरी तरह से नियंत्रण में दिखे और कई मौकों पर उन्होंने सूर्यवंशी से भी तेज गति से रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए महज 14 ओवर में 100 रन जोड़कर टीम को आक्रामक शुरुआत दी।

सूर्यवंशी हालांकि मिलिंद की शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में डीप में स्थानापन्न खिलाड़ी तनय त्यागराजन को कैच दे बैठे। दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाजों ने पहली बार इस युवा बल्लेबाज को शॉर्ट पिच गेंद से परखा और उन्हें तुरंत सफलता मिल गई। एमए चिदंबरम स्टेडियम में मौजूद करीब 10,000 दर्शकों के सामने आउट होने का यह तरीका बिहार के इस युवा खिलाड़ी को क्रीज पर अधिक धैर्य रखने का सबक देगा। इसके बाद कुशाग्र ने भी दृढ़ संकल्प के साथ बल्लेबाजी की। दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाज रनों की बौछार के आगे बेबस नजर आए।

राज्य फिन स्विमिंग में लखनऊ चैंपियन एलपीसी ने जीतीं छह ट्रॉफियां

खेल संवाददाता

लखनऊ। राज्य अंडरवॉटर एवं फिन स्विमिंग चैंपियनशिप में लखनऊ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता में लखनऊ की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि वाराणसी की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

वाराणसी की टीम रही उपविजेता, राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चुनी गई राज्य टीम

लखनऊ के तैराकों ने अपनी गति और तकनीक के दम पर कई स्पधाओं में बेहतर प्रदर्शन किया।

जिला तैराकी प्रतियोगिता में एलपीसी का भी दबदबा रहा। एलपीसी के खिलाड़ियों ने अलग-अलग वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ में से छह ट्रॉफियां जीत लीं। टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन से कोच और आयोजक भी उत्साहित नजर आए। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में अंडरवॉटर स्पोर्ट्स फेडरेशन के महासचिव तपन पाणिग्रही ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने घोषणा की कि अगली राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन लखनऊ में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ में अंडरवॉटर और फिन स्विमिंग को लेकर खिलाड़ियों में लगातार रुचि बढ़ रही है। ऐसे आयोजनों से नई प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि खेल निदेशक डॉ. आर.पी. सिंह रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों और टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पाण्डेय, अपर मुख्य सचिव (सेवानिवृत्त) सुधीर एम. बोबडे, अपर आयुक्त जीएसटी उग्रसेन द्विवेदी और राष्ट्रीय प्रधान संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अखिलेश सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर शिक्षिका मधुरिमा तिवारी सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने राष्ट्रीय एवं राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित पीएम श्री कंपोजिट स्कूल रानी कर्णावती की प्रधानाध्यापिका श्रीमती मधुरिमा तिवारी को सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने कहा कि मधुरिमा तिवारी ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन किया है। उनके प्रयासों से बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र बनाया गया है। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं और शैक्षणिक वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि पीएम श्री कंपोजिट स्कूल रानी कर्णावती को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा संबंधी सपनों को धरातल पर साकार होता देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का शिक्षा मॉडल केवल जिले या प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत बनना चाहिए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मधुरिमा तिवारी का कार्य उच्च कोटि का है और उनके प्रयासों से समाज के अन्य शिक्षकों एवं लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में मुख्यमंत्री के लाइव प्रसारण को भी देखा गया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष उदयभान तिवारी एवं सुनीता शर्मा, जिला मंत्री पूनम चौरसिया, जिला मीडिया सह प्रभारी विजय शक्ति दुबे, शुभम जायसवाल, भाजयुमो जिला महामंत्री पुष्पेंद्र द्विवेदी, जय प्रकाश भारती तथा नगर पश्चिमी मंडल महामंत्री कृष्ण कुमार सिंह ह्यरिचूह्ल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मधुरिमा तिवारी को बधाई दी। उक्त जानकारी जिला मीडिया सह प्रभारी विजय शक्ति दुबे ने दी।

नाबालिग को भगाने व दुष्कर्म मामले का आरोपित गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। राजगढ़ थाना पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार राजगढ़ थाना क्षेत्र की एक महिला ने नौ नवंबर 2024 को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि नामजद व्यक्ति उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। इस मामले में राजगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर आरोपित की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा था। पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन एवं क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में राजगढ़ थाना पुलिस को आवश्यक निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में पांच सितंबर 2026 को निरीक्षक नरेंद्र कुमार राय ने पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर वांछित आरोपित प्रदीप कुमार पुत्र नागेश्वर बिंद निवासी ग्राम कुंडी, थाना राजगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपित के विरुद्ध बीएनएस की संबंधित धाराओं तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5जे ( )/6 के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपित को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

शिक्षक दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। भारत के महान दार्शनिक, शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर आज 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया गया। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। वे महान शिक्षक, दार्शनिक एवं शिक्षाविद थे। उनके शिक्षा के प्रति समर्पण और योगदान को सम्मान देने के लिए उनकी जयंती को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस समाज और राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। समारोह में समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़, सदर विधायक भूपेश चौबे, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ जिला पंचायत सदस्य सजीव त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा, सदर ब्लाक प्रमुख्य अजीत रावत, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं सम्मानित शिक्षक उपस्थित रहे। समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ ने कहा कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक और राष्ट्र के भविष्य के निमार्ता हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं। शिक्षकों का सम्मान वास्तव में राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान का सम्मान है। सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने शिक्षा और शिक्षक की महत्ता को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया। शिक्षक विद्यार्थियों को सही दिशा देकर उनके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि शिक्षक देश के भविष्य को आकार देने वाले वास्तविक राष्ट्रनिमार्ता हैं। विद्यालय में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन संवेदनशीलता, रचनात्मक सोच एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी शिक्षक का महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि उनका उत्कृष्ट कार्य अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत है समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले माध्यमिक विद्यालय के 24 शिक्षकगण व बेशिक शिक्षा विभाग के 44 शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान प्रदान किया गया।

खास समाचार

हॉस्पिटल में महिला की मृत्यु के प्रकरण का जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान

इलाज में लापरवाही के आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित।

तीन दिवस में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। दैनिक समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया में प्रकाशित खबरों के माध्यम से जीवनदीप हॉस्पिटल, कम्हारी, राबर्ट्सगंज में उपचार के दौरान श्रीमती रविता पत्नी संजय, उम्र 27 वर्ष, निवासी खैराही, थाना करमा, सोनभद्र की 02 सितम्बर 2026 को ऑपरेशन के दौरान मृत्यु होने तथा परिजनों द्वारा उपचार में लापरवाही के लगाए गए आरोपों का जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने संज्ञान लिया है। जिलाधिकारी ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। समिति में डॉ. गुलाब शंकर, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी/नोडल अधिकारी पंजीयन निजी चिकित्सालय, सोनभद्र, डॉ. मोनिका सिंह, गाइनोकोलॉजिस्ट, जिला संयुक्त चिकित्सालय, सोनभद्र तथा डॉ. राजेश कुमार सिंह, एनेस्थेटिक, जिला संयुक्त चिकित्सालय, सोनभद्र को शामिल किया गया है। जांच समिति को निर्देशित किया गया है कि वह प्रकरण से संबंधित तथ्यों की जांच करते हुए तीन दिवस के भीतर अपनी रिपोर्ट मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में 358 शिकायतें, 23 का मौके पर निस्तारण

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। शासन की मंशानुरूप जनपद की सभी तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। चुनार तहसील में मंडलायुक्त राजेश प्रकाश और पुलिस उप महानिरीक्षक पूनम ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं, जबकि लालगंज तहसील में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार और पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने जनसमस्याओं को सुना। तहसील चुनार में मंडलायुक्त के समक्ष 107 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए मंडलायुक्त ने प्रत्येक शिकायत का स्थलीय सत्यापन कर नियमानुसार और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

लालगंज में डीएम ने सुनीं 68 शिकायतें

तहसील लालगंज में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक और मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। यहां कुल 68 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से छह का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करते हुए समय से आख्या उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि तहसील दिवस शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और मुख्यमंत्री स्तर से भी इसकी समीक्षा की जाती है।

शिकायतकर्ता से फोन पर लें फीडबैक

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों और जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील दिवस में प्राप्त प्रत्येक प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लिया जाए।

सतगुरु की प्राप्ति जीवन की सबसे बड़ी पूंजी : संत पंकज महाराज

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। विन्ध्याचल छानबे जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था, मथुरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संत पंकज जी महाराज ने कहा कि सतगुरु की प्राप्ति मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। संत-महापुरुषों के सत्संग से ही अध्यात्म और रूहानियत का ज्ञान प्राप्त होता है। संत पंकज जी महाराज शाकाहार, सदाचार, मद्यनिषेध एवं आध्यात्मिक-वैचारिक जनजागरण यात्रा के तहत शुक्रवार को अपने 16वें पड़ाव के दौरान छानबे ब्लाक के ग्राम कोलाही बजहां पहुंचे। यहां आयोजित सत्संग सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संतों और महापुरुषों के सत्संग में किसी की निंदा या आलोचना नहीं की जाती, बल्कि भगवान की भक्ति के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विद्यालयों में सांसारिक ज्ञान की शिक्षा दी जाती है, उसी प्रकार अध्यात्म और आत्मिक ज्ञान संत-महात्माओं के सत्संग से प्राप्त होता है। सांसारिक मोह-माया और भौतिक कार्यों में उलझकर मनुष्य अपने वास्तविक उद्देश्य को भूल गया है। संत सतगुरु ही जीवात्मा को उसके वास्तविक स्वरूप और परमात्मा तक पहुंचने का मार्ग बताते हैं। संत पंकज महाराज ने कहा कि हवा और पानी की तरह भगवान का भी कोई बंटवारा नहीं है। ईश्वर ने सभी मनुष्यों को समान बनाया है। मनुष्य को अच्छे या बुरे कर्म करने की स्वतंत्रता है, लेकिन कर्मों का फल भोगने के लिए वह बाध्य होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में सतगुरु मिल जाने के बाद सुरत-शब्द योग अर्थात नाम-योग साधना का मार्ग प्राप्त होता है। सतगुरु द्वारा बताई गई विधि से सुमिरन, ध्यान और भजन करने पर व्यक्ति को आत्मिक अनुभव होने लगता है।

शाकाहार और नशामुक्ति अपनाने का आह्वान

संत पंकज जी महाराज ने कहा, ह्लजैसा खाए अन्न, वैसा होए मन ह्व उन्होंने शाकाहार अपनाने और शराब सहित सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का त्याग करने की अपील की। कहा कि पशु-पक्षियों के प्रति हिंसा से समाज में हिंसक प्रवृत्तियां बढ़ती हैं। इसलिए अच्छे और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए शाकाहार, सदाचार और नशामुक्त जीवन को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से नियमित साधना करने का आह्वान करते हुए कहा कि सच्चे मन और सही विधि से सुमिरन, ध्यान व भजन करने पर व्यक्ति स्वयं इसके अनुभव को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने सत्संग में पहुंचे लोगों के प्रति आभार जताते हुए सभी के मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष घूरन प्रसाद, संगठन मंत्री एवं प्रवक्ता मोतीलाल सिंह, रामखेलावन यादव, सतीश यादव, प्रितेश, प्रेमचंद, राम कैलाश यादव, राकेश कुमार मौर्य, ग्राम प्रधान विनोद यादव सहित बाराबंकी से पहुंचे सहयोगी संगत के रामचंद्र यादव, अनिल कुमार वर्मा, तेजबहादुर, श्रीपाल वर्मा, राम सुरेश, अंबिका प्रसाद वर्मा और शिवराज सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में गूंजे भजन, श्रीकृष्ण लीला ने मोहा मन

जन्माष्टमी पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, हवन–पूजन के बाद प्रसाद वितरित

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पुलिस लाइन परिसर में शुक्रवार को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की उपस्थिति और पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित मनोहारी प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कलाकारों ने भक्तिमय सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। श्रीकृष्ण लीला का मंचन आकर्षण का केंद्र रहा। पुलिस कर्मियों ने भी भावनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों ने कार्यक्रम का आनंद लिया और भक्ति के रंग में सराबोर नजर आए। सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन-कीर्तन के बाद पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने पुलिस लाइन परिसर स्थित मंदिर में विधि-विधान से हवन-पूजन किया। इसके बाद श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। पुलिस कर्मियों और आमजन को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी लालगंज, क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन, क्षेत्राधिकारी प्रज्ञान समेत प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन्स चित्रकूट में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व

संवाददाता

चित्रकूट। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन्स चित्रकूट एवं थाना कोतवाली कर्वी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी चित्रकूट पुलकित गर्ग, जिला जज शेषमणि शुक्ला, पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक पीयूषकांत राय, क्षेत्राधिकारी नगर/लाइन्स राज कमल, प्रतिसार निरीक्षक रामाशीष यादव सहित पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण एवं पुलिस परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ रिजर्व पुलिस लाइन्स परिसर में पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान पूरे पुलिस लाइन्स परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा जी की मनमोहक झांकियां सजाई गईं, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित हो गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाइन्स में आवासित पुलिस परिवार के बच्चों द्वारा राधा-कृष्ण की मनमोहक पोशाक धारण कर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के भक्ति संगीत एवं धार्मिक गीतों पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित सभी लोगों में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण बना रहा।

... तो तमाम फजीहत के बाद नींद से जागा नगर पालिका प्रशासन

कुआं व गड्ढों में तब्दील शहर की सड़कों पर मरहम पट्टी का किया शुरूआत : बरसात के बाद करोड़ों रुपए की लागत से शहर की सड़कों को चमकाने का ईओ ने किया दावा

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली। नेता नहीं बेटा चुनो और जनता ने विश्वास करके बेटा चुना लेकिन बेटे ने शहर में ऐसी दुर्दशा फैलाई की जनता त्राहि-त्राहि करने लगी बेटा ने ऐसा विकास किया कि लोगों के घरों में पीने का पानी भले ना हो लेकिन बरसात का पानी उनके घर में घुस गया शहर की सड़के ऐसी बनाई गई की लोग सड़कों पर फिसलने लगे यही नहीं सीवर लाइन के नाम पर शहर के मोहल्लों की सड़कों को उजाड़ दिया गया जबकि नगर पालिका ने कार्यदायी संस्था से लिखा पढी की थी की जैसी सडक नगर पालिका क्षेत्र में हम दे रहे हैं वैसी सड़क मुझे चाहिए लेकिन कार्यदाई संस्थाओं ने नगर पालिका को भी सेट कर लिया और अधूरा काम छोड़कर ठेकेदार फरार हो गए और बेटा को पता नहीं चला हालांकि विकासशील बेटे ने इस मुद्दे को जिलाधिकारी के पास भी लेकर गए और उन्होंने पत्र भी लिखा लेकिन वर्तमान सरकार भाजपा की और बेटा कांग्रेस का तो आखिर उनकी सुनने वाला कौन था फंसी तो बेचारी जनता और उस जनता की आवाज सोशल मीडिया व समाचार पत्र बने लेकिन माल डकारने वाले को जनता की समस्या नहीं दिखी और आंखों में पट्टी बांधकर पूरे पांच साल बैठे रहे नतीजा शहर की दुर्दशा होती रही विरोधी दल आवाज उठाते रहे सत्ता दल के विधायक मंत्री सिर्फ मीटिंग तक सीमित रहे। फिलहाल सोशल मीडिया से लेकर समाचार पत्रों में गंधाने व जबाब देही से बचने के चलते नगर पालिका प्रशासन एक ऐसी कुआं में तब्दील सड़क पर मरहम पट्टी करना शुरू कर दिया है जो विगत 5 वर्षों से इसी तरह गड्ढों में तब्दील रही पता नहीं कितने लोग गड्ढों में गिर कर चोटहिल होते रहे कितनी बाइकों की सांकर टूट गये होगे इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया से लेकर समाचार पत्र में प्रकाशित भी किया गया लेकिन जनता की समस्या को ना तो नगर पालिका संज्ञान लिया और ना ही सत्ताधारी नेताओं ने जबकि इस सड़क से पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस महज 50 मीटर की दूरी पर है जहां नेता मंत्री विधायकों का आना-जाना लगा रहता है यही नहीं रायबरेली के जिल मंत्री राकेश सचान भी अक्सर आते जाते रहे हैं पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस की साइड की सड़क रातों-रात बन जाती है क्योंकि उधर से सफेदपोश नेताओं को निकलना रहता है लेकिन जनता कुआं रूपी सड़क से कैसे निकलती रही इसको देखने के लिए ना तो जिला प्रशासन और ना ही संबंधित विभाग और न हीं सत्ताधारी नेताओं को फुर्सत रही है। हालांकि सोशल मीडिया और जनता के विरोध प्रदर्शन पर नगर पालिका ऐसी टूटी-फूटी सड़कों पर मरहम पट्टी करना शुरू कर दिया है कुछ कथित लोगों के माध्यम से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है कि नगर पालिका के ईओ स्वर्ण सिंह का कहना है कि अभी गड्ढे भरे जा रहे हैं बरसात बात सभी सड़के बनाई जाएंगी लेकिन सवाल यह है की बरसात के पहले नगर पालिका कहां था जिस जनता ने नेता नहीं बेटा चुना वह अब सवाल पूछ रही है

रामघाट में बाढ़ से हुए नुकसान का जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया स्थलीय निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट। जनपद में मंदाकिनी नदी में आई भीषण बाढ़ से विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक प्रभाव पड़ा है। इसी क्रम में प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल रामघाट, सीतापुर में बाढ़ से हुए नुकसान का जिलाधिकारी पुलकित गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रामघाट क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित दुकानों एवं अन्य संपत्तियों का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ से हुई क्षति का सर्वेक्षण कराते हुए अतिशीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए, ताकि नियमानुसार प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। रामघाट क्षेत्र में बाढ़ के बाद जमा हुए मलबे एवं गंदगी का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने नगरपालिका परिषद को निर्देशित किया कि सफाई कार्य में मैनपावर एवं पंपिंग क्षमता बढ़ाई जाए तथा अतिरिक्त संसाधन लगाकर अभियान चलाते हुए शीघ्रता से मलबा हटाने एवं साफ-सफाई का कार्य पूर्ण कराया जाए, जिससे श्रद्धालुओं एवं आमजन का आवागमन सुचारू रूप से संचालित हो सके। उपजिलाधिकारी कर्वी द्वारा बताया गया कि लगभग तीन सौ से अधिक सफाई कर्मचारी लगाए गए हैं तथा आठ सौ राशन कीट इस क्षेत्र में वितरित भी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जो बचे गए हैं उनको भी वितरित की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि क्षेत्र में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आवश्यकतानुसार विभिन्न स्थानों पर टैंकरों के माध्यम से पानी की व्यवस्था कराई जाए, ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगों को पेयजल की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त अथवा गिर चुके विद्युत पोलों एवं टूटे विद्युत तारों को तत्काल हटाकर नए पोल एवं तार लगाए जाएं तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराकर विद्युत आपूर्ति बहाल की जाए। उन्होंने विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारू बनाए रखने के लिए मौके पर आवश्यक सावधानियां बरतने के भी निर्देश दिए।

अपहरण कर धमकी के बल पर जमीन का बैनामा कराने का आरोपित गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। विंध्याचल थाना पुलिस ने अपहरण कर डरा-धमकाकर जबरन जमीन का बैनामा कराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार विंध्याचल थाना क्षेत्र के सदर बाजार, कोतवाली रोड निवासी निरंजन लाल गुप्ता ने दो सितंबर को थाने में तहरीर देकर नामजद आरोपितों पर अपहरण कर डरा-धमकाकर जबरन जमीन का बैनामा कराने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर विंध्याचल थाने में मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में कार्रवाई की जा रही थी। इसी क्रम में शुक्रवार को उप निरीक्षक अजय कुमार मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सूचना और साक्ष्य संकलन के आधार पर मामले के आरोपित अवनीश मिश्रा निवासी पूरब मुहाल, थाना विंध्याचल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपित के विरुद्ध विंध्याचल थाने में पूर्व के भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम
फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्क्रॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंट्रेस्टिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रोशनी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्क्रॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकू' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपकी बात बिना किसी जजमेंट के सुनते हैं।

सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरॉन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिग्डाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सर्वे बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि 'इनर चाइल्ड हीलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हल्का करता है।

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आवारा कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ह्यूमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का स्राव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फीडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को चुटकियों में गायब कर देती है। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो निश्छलता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।

खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेडिटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंग्जाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वालेस जे. निकोलस ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंग्जाइटी अटैक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्क्रॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। k

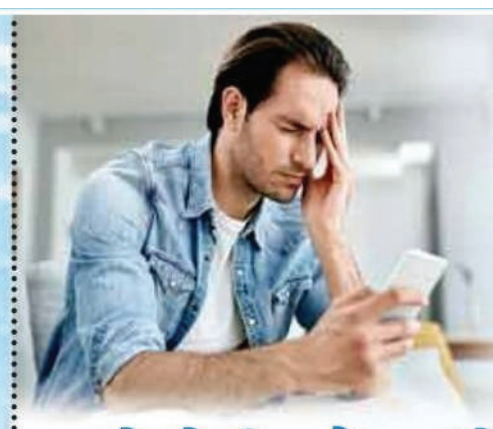

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

{ टेक्नोलाइफ / अंजू जैन }

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एम्नेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग को धार देना, इसे एक्टिव रखना बंद कर देंगे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां मानसिक रूप से पूरी तरह इन मशीनों की गुलाम बन जाएंगी।

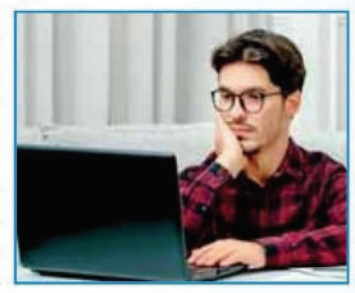

क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एम्नेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहां है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी याद्दाश्त के लिए एक 'एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव' बन गए हैं। हम अपनी रोजमर्रा की नियुक्तियों, जन्मदिनों, बिलों के भुगतान की तारीखों और यहां तक कि साधारण गणनाओं के लिए भी रिमाइंडर्स और एप्स पर निर्भर हैं।

मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव: मानव मस्तिष्क में 'न्यूरोप्लास्टिसिटी' का गुण होता है, जिसका अर्थ है कि यह अनुभवों और आदतों के अनुसार खुद को ढाल लेता है। जब हम लगातार गैजेट्स का उपयोग करते हैं, तो मस्तिष्क की सूचनाओं को सहेजने वाली न्यूरॉन कोशिकाएं कमजोर होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप, मस्तिष्क सूचनाओं को शॉर्ट-टर्म मेमोरी से लॉन्ग टर्म मेमोरी में स्थानांतरित करना बंद कर देता है।

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैंपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो याद्दाश्त और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। k

(मनोचिकित्सक डॉ.संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी याद्दाश्त को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे 'बदलने' के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- स्क्रीन के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- किसी भी पल को कैमरे में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

{ कविता / पुरुषोत्तम व्यास }

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच
कितने विचारों के बीच
कितने थपेड़ों के बीच
कितने जालों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी घृणा के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच
कितनी कुसंगत के बीच
कितनी लालसा के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने बड़बोलेपन के बीच
कितनी आत्मप्रशंसा के बीच
कितने कपट के बीच
कितने झपट के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने शब्दों के बीच
कितने विचारों के बीच
कितने थपेड़ों के बीच
कितने जालों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी असहजता के बीच
कितने समझौतों के बीच
कितने अपमानों के बीच
कितने सम्मानों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने शत्रुओं के बीच
कितने मित्रों के बीच
कितने भ्रमों के बीच
कितने सपनों के बीच
जीना और अपने को बचाना
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।

कहने को तो वह नवोदित भ्रष्टाचारी था लेकिन अपनी लाइन का वह एक पुराना खिलाड़ी था। कई महीनों पहले से ही वह बदनामियों के काले आकाश में उमड़ता-घुमड़ता हुआ देखा जा रहा था। सर्वत्र उसी की चर्चा थी। वह मीडिया में 'काली घटा छाई, भ्रष्टाचार की ऋतु आई' बनकर छाया हुआ था। नवोदित भ्रष्टाचारी के चेहरे पर कैमरों की फ्लैश लाइटें चमकतीं, तो जान पड़ता था कि आकाश में बिजली कौंध रही है। अपने कंधों पर कारगुजारियों का इंद्रधनुष लादे हुए वह मंडराता फिर रहा था। ईडी और सीबीआई की हवाएं छापामारी करती थीं और उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाती थीं। उससे पूछताछ होती और वह सारा दोष मौसम के मत्थे पर मढ़ दिया करता था। वह कहता था कि यह भ्रष्टाचार तो समूचे वायुमंडल में फैला हुआ है, फिर भला वह ही कैसे इसके प्रभाव से अछूता रह सकता है? वह मौका लगते ही डूब-डूब कर बेईमानी का पानी पीने का अभ्यस्त था। यूं तो वह कहने मात्र को ही एक नवोदित भ्रष्टाचारी था। चूंकि पहले उसका नाम किसी बड़े घोटाले में उजागर नहीं हो पाया था, इसके चलते ही उसको नवोदित कहा जा रहा था। इस बात का वह बुरा भी नहीं मानता था। लोग उसे बच्चा समझते थे, वह अपने आपको सबका चच्चा समझता था।

इन दिनों वह चर्चाओं के आकाश में उड़ रहा था, परंतु सभी को यह बात पता थी कि घोटालों के विशाल समंदर का पानी वह अपने पेट में भरे हुए था। वह बहुत गहरा था। अपनी सफलता के नशे में बहकते हुए उसके पांव धरती पर उतरने में अपनी तौहीन समझ रहे थे। लेकिन वक्त-वक्त की बात होती है। जो गहरा होता है, उसको नपना भी पड़ता है। तो उस नवोदित भ्रष्टाचारी को भी एक रोज जमीनी हकीकत देखनी ही पड़ गई। यद्यपि वह सबको सफाई देता रहता था कि उसका दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वस्त्र होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश पूरी कर ली थी।

एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी आगे नहीं जा सका था। नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब जा रहा था। वह अतिशय उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा।

लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया। वरिष्ठ ने उसे पीछे से आवाज दी, 'ओ राजा बेटा, ऐसे तो मुंह फेर कर न जाओ!' नवोदित बोला, 'दादा, चाहे और कुछ कह लो, पर मुझको राजा बेटा कहकर न बुलाओ। यों ही मेरी बहुत बदनामी हो चुकी है।'

वरिष्ठ घोटालेबाज ने उसकी पीठ पर धौल जमाते हुए कहा, 'तो क्या कहूं? तुम्हें राजा बेटा न कहूं, तो क्या अपना बाप कहूं? वाह बेटा, तुम तो बापों के भी बाप निकले। हम तो अपने टाइम में करोड़ों की ही जमा-पूंजी बटोर पाए थे, तुम 'पहले पाओ, पहले खाओ' की राह पर चलकर कई लाख करोड़ के पार निकल लिए। हम जैसे पुराने घोटालेबाज यूरिया, चीनी, चारा, कोयला, अनाज जैसी हद्दी-पिद्दी कलाबाजियों के आगे नहीं जा सके। तुम सबको पीछे छोड़कर असीमित घोटाले की सीमा के पार पहुंच गए हो। मुझे पक्की उम्मीद है कि तुम्हारे बाद की पीढ़ी और भी तरक्की करेगी।'

नवोदित भ्रष्टाचारी निर्लज्ज मुस्कान के साथ बोला, 'दादा, आप मेरे पुरखे हो। पथ-प्रदर्शक हो। गुरु समान हो। आप अपने समय के खांटी खिलाड़ी रहे हो। आपने ही मुझ एकलव्य को इस सुगम और सहज मार्ग पर चलना सिखाया है। आपको देख-देखकर ही मैंने यह विद्या सीखी है। मेरी आप को ज्ञान देने की औकात नहीं है।' वरिष्ठ घोटालेबाज ने उस नवोदित भ्रष्टाचारी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'शाबास बेटा, इसी बात पर मेरे साथ वापस लौट चलो। इस बार भ्रष्टाचार के सरोवर के उसी घाट पर हम दोनों मिलकर डबल डुबकियां लगाएंगे।'

अब दोनों ही गठबंधन वाली मुद्रा में एक ही दिशा में एक साथ चल रहे थे। k

{ पुस्तक चर्चा / अनुराग गनींद्र }

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्धृत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील, साहित्य के प्रति समर्पित, जिंदादिल-गरिमापूर्ण व्यक्तित्व झलकता है। वे लिखते हैं, 'वो एक व्यक्ति नहीं प्रवाह का नाम हैं। ...ओम निश्चल में एक इनबिल्ट डिसिप्लिन है। वो जो भी काम करते हैं, संपूर्णता और एकाग्रता के साथ करते हैं।'

डॉ. हरेराम पाठक ओम निश्चल की गजलों को समय से काफी आगे मानते हैं, वे लिखते हैं, 'गजल में लाक्षणिक प्रयोग और व्यंग्यार्थ का अचूक प्रयोग होते देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ओम निश्चल की गजलें समसामयिकता के दायरे से बहुत आगे निकल चुकी हैं।'

डॉ. भावना शेखर, ओम निश्चल के काव्य संग्रह 'मेरा दुख सिरहाने रख दो' की चर्चा करते हुए लिखती हैं, 'किताब से गुजरते हुए गजल और गीतिका की गंगा-जमुनी धार में डूबते-उतराते पाठक को दुष्यंत कुमार से लेकर अदम गोंडवी तक कितने ही गजलकारों की शायरी का आस्वाद मिलता है।'

संपादक विज्ञान भूषण के लेख 'गजलगोई का नया मुहावरा गढ़ती गजलें' में ओम निश्चल की गजलों के सौंदर्य, संवेदना, सामाजिक सरोकार, भाषिक प्रयोग, शिल्प तथा वैचारिक गहराई का सूक्ष्म, बहुआयामी एवं सम्यक विश्लेषण है। k

पुस्तक: गजलगोई : ओम निश्चल (आलोचना), **संपादक:** विज्ञान भूषण, **मूल्य:** 449 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ लघुकथा / तनुजा चौबे }

उपेक्षा से प्रेरणा

एक कंपनी ने तीन कर्मचारियों-अभय, निखिल और रोहन को एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सौंपा। काम बांट दिया गया। अभय ने पूरी जिम्मेदारी से हर काम समय पर संभाला और प्रोजेक्ट को व्यवस्थित किया। निखिल ने भी मेहनत की, मगर अभय जितनी नहीं। रोहन ने सबसे कम योगदान दिया।

प्रोजेक्ट पूरा हुआ तो कंपनी के मालिक ने पुरस्कार की घोषणा की। रोहन का नाम सबसे पहले, निखिल का उसके बाद और अभय का सबसे अंत में था। अभय को इस बात का दुःख हुआ कि उसकी मेहनत को अपेक्षित पहचान नहीं मिली। कुछ समय बाद अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग लाई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।'

अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। k